हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

Title code - UPHIN51139

धरती पूर्वांचल की

महराजगंज से प्रकाशित

वर्ष : 02 अंक : 27 महराजगंज, मंगलवार, 22 अप्रैल 2025 पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रूपये

सऊदी अरब के दौरे पर भारतीय कामगारों से बात करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह 22–23 अप्रैल को सऊदी अरब की यात्रा पर जाएंगे। वहां जेद्दा में वह एक फैक्टरी का भी दौरा करेंगे और भारतीय कामगारों से बात करेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पीएम मोदी की दो दिवसीय यात्रा से पहले शनिवार को मीडिया से बात करते हुए बताया कि भारतीय प्रवासियों के मामले में दुनिया में सऊदी अरब दूसरे स्थान पर है। वहां लगभग 27 लाख भारतीय रहते हैं और काम करते हैं। यह काफी संतोषजनक है कि सऊदी अरब में भारतीय समुदाय के लोगों को देश के आर्थिक विकास में उनके योगदान के लिए काफी सम्मान के साथ देखा जाता है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी का फैक्टरी का दौरा एक बार फिर इस बात को रेखांकित करता है कि वह विदेश में रहने वाले भारतीय कामगारों को कितना महत्व देते हैं। पिछले साल दिसंबर में भी उन्होंने कुवैत के मीना अब्दुल्ला इलाके में एक श्रमिक शिविर में करीब 1,500 भारतीयों से बात की थी। यह उनके कुवैत दौरे का पहला कार्यक्रम था और उनसे बात करने वाले श्रमिकों में अलग–अलग राज्यों के भारतीय थे। उन्होंने श्रमिकों से उनके हालात की जानकारी ली। पिछले कुछ वर्षों में विदेश में रहने वाले भारतीय कामगारों के लिए सरकार ने कई टेक्नोलॉजी आधारित पहलों की शुरुआत की है। इनमें ई–माइग्रेट पोर्टल, मदद पोर्टल और अपग्रेड की गई प्रवासी भारतीय बीमा योजना शामिल हैं। जनवरी में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने हमेशा प्रवासी भारतीयों को देश का राजदूत माना है। दुनिया भर में रहने वाले भारतीयों से मिलकर और उनसे बातचीत करके अपनी खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि उनसे मिलने वाला प्यार और आशीर्वाद अविस्मरणीय है और हमेशा उनके साथ रहेगा। उन्होंने प्रवासी भारतीयों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की और वैश्विक मंच पर गर्व के साथ अपना सिर ऊंचा करने का अवसर देने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। पीएम मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले एक दशक में उन्होंने कई वैश्विक नेताओं से मुलाकात की है, जिनमें से सभी ने उनके सामाजिक मूल्यों और संबंधित समाजों में योगदान के लिए प्रवासी भारतीयों की प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत न केवल लोकतंत्र की जननी है, बल्कि लोकतंत्र भारतीय जीवन का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि भारतीय स्वाभाविक रूप से विविधता को अपनाते हैं और स्थानीय नियमों और परंपराओं का सम्मान करते हुए जिस समाज में शामिल होते हैं, उसमें सहजता से घुलमिल जाते हैं। इस बीच, निरंतर सहायता के लिए सऊदी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए।

राज्य में कानून का शासन है या बाहुबल का बंबई उच्च न्यायालय ने पूछा

मुंबई, (एजेंसी)। उच्च न्यायालय ने नवी मुंबई में एक भूखंड पर अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहने पर सरकार की नगर नियोजन एजेंसी सिडको को फटकार लगाते हुए पूछा कि राज्य में कानून का शासन है या बाहुबल का। न्यायमूर्ति ए. एस. गडकरी और न्यायमूर्ति कमल की खंडपीठ ने इस महीने की शुरुआत में पारित आदेश में कहा कि नगर एवं औद्योगिक विकास निगम (सिडको) के अधिकारी अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के इच्छुक नहीं हैं। सिडको ने अदालत को बताया कि जब उसने अवैध ढांचों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने की कोशिश की तो बोकाडवीरा गांव के सरपंच ने उन्हें धमकी दी। इस पर पीठ ने कहा कि अधिकारी अपने वैध कर्तव्यों का निर्वहन करते समय पर्याप्त पुलिस सुरक्षा पाने के हकदार हैं और अवैधताओं को रोकना तथा कानून का शासन स्थापित करना प्राधिकारियों का कर्तव्य है। उच्च न्यायालय ने कहा, "हम यह समझने में असफल हैं कि क्या हम ऐसे राज्य में रहते हैं जहां कानून का शासन है या बाहुबल का शासन है।" न्यायालय ने कहा कि बोकाडवीरा गांव के सरपंच द्वारा दी गई धमकियों को लोकतांत्रिक देश में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि सिडको अधिकारी अपने वैध कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। अदालत 2016 में एक दंपति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें सिडको को नवी मुंबई में उनकी जमीन पर दीपक पाटिल नामक व्यक्ति द्वारा बनाए गए।

जब तक वक्फ (संशोधन) अधिनियम को वापस नहीं ले लिया जाता तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा – ओवैसी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा जब तक इसे वापस नहीं ले लिया जाता। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित एआइ 'एमआईएम मुख्यालय दारु स्सलाम में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन जारी रहेगा, जैसा कि रद्द किए जा चुके कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन जारी रहा। ओवैसी ने कहा, "आपको (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) ये कानून वापस लेना ही होगा। जिस तरह से हमारे किसान भाइयों ने रास्ता दिखाया है, हम भी उसी तरह प्रदर्शन करते रहेंगे। जब तक कानून वापस नहीं ले लिया जाता, तब तक देश में शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा, "क्या आप (सभा) एक लंबी लोकतांत्रिक लड़ाई के लिए तैयार हैं? अगर आप तैयार हैं, तो अपने आप से वादा करें कि जब तक यह काला कानून वापस नहीं ले लिया जाता तब तक हम विरोध करते रहेंगे और पीछे नहीं हटेंगे।

निशिकांत दुबे के बयान से बीजेपी ने पल्ला झाड़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी करके नया विवाद खड़ा कर दिया। अब पार्टी ने उनकी टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन टिप्पणियों को सांसद के निजी विचार बताते हुए खारिज कर दिया है। साथ ही नड्डा ने उन्हें भविष्य में इस तरह के बयान न देने की भी हिदायत दी है। नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा का न्यायपालिका एवं देश के चीफ जस्टिस पर दिए गए बयान से भारतीय जनता पार्टी का कोई लेनादेना नहीं है। यह इनका व्यक्तिगत बयान है, लेकिन भाजपा ऐसे बयानों से न तो कोई इत्तेफाक रखती है और न ही कभी भी ऐसे बयानों का समर्थन करती है।

भाजपा इन बयान को सिरे से खारिज करती है। नड्डा ने यह भी कहा कि उन्होंने दोनों नेताओं और अन्य लोगों को ऐसी टिप्पणियां न करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा न्यायपालिका का सम्मान किया है और उसके सुझावों एवं आदेशों को सहर्ष स्वीकार किया है क्योंकि एक दल के तौर पर उसका मानना है कि शीर्ष अदालत समेत सभी अदालतें लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा का न्यायपालिका एवं देश के चीफ जस्टिस पर दिए गए बयान से भारतीय जनता पार्टी का कोई लेनादेना नहीं है। यह इनका व्यक्तिगत बयान है, लेकिन भाजपा ऐसे बयानों से न तो कोई इत्तेफाक रखती है और न ही कभी भी ऐसे बयानों का समर्थन करती है। भाजपा इन बयान निशिकांत दुबे ने शनिवार को उच्चतम न्यायालय पर निशाना साधते हुए कहा कि कानून यदि शीर्ष अदालत ही बनाएगी तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। मीडिया से बात करते हुए बीजेपी सांसद ने कहा कि देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से बाहर जा रहा है। अगर हमें हर मामले के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़े तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। भाजपा सांसद और उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने भी सुप्रीम कोर्ट की आलोचना करते हुए कहा कि कोई भी संसद या राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकता। शर्मा ने कहा, श्भारत के संविधान के अनुसार, कोई भी लोकसभा और राज्यसभा को निर्देश नहीं दे सकता और राष्ट्रपति ने पहले ही इस पर अपनी सहमति दे दी है।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के बीच अमेरिका दौरे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली।, (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 20–25 अप्रैल के बीच अमेरिका दौरे पर रहेंगी, जहां वह कई बहुपक्षीय संवादों में भाग लेंगी। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से दी गई। वित्त मंत्री सीतारमण का यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं। मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, अपने अमेरिका दौरे पर वित्त मंत्री सैन फ्रांसिस्को और वाशिंगटन डीसी जाएंगी। सैन फ्रांसिस्को में, वित्त मंत्री सीतारमण स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन में 'विकसित भारत 2047 की नींव' विषय पर मुख्य भाषण देंगी, जिसके बाद एक फायरसाइड चैट सेशन होगा। वित्त मंत्री निवेशकों के साथ एक गोलमेज बैठक के दौरान प्रमुख फंड मैनेजमेंट फर्मों के शीर्ष सीईओ के साथ बातचीत करेंगी, इसके अलावा सैन फ्रांसिस्को स्थित शीर्ष आईटी फर्मों के सीईओ के साथ बातचीत करेंगी। वाशिंगटन डीसी में, वित्त मंत्री सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वसंतकालीन बैठकों, जी–20 वित्त मंत्रियों की

साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगी। मंत्रालय ने कहा कि वह सैन फ्रांसिस्को में भारतीय प्रवासियों से जुड़े एक कार्यक्रम में भी भाग लेंगी और वहां बसे भारतीय समुदाय के दूसरी और केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठकों, विकास समिति के पूर्ण अधिवेशन, आईएमएफसी के पूर्ण अधिवेशन और जीएसडीआर बैठक में भाग लेंगी। इन बैठकों के साइडलाइन में वित्त मंत्री कई देशों के समकक्षों के साथ बैठक भी करेंगी, जिसमें अर्जेंटीना, बहरीन, जर्मनी, फ्रांस, लक्जमबर्ग, सऊदी अरब, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका का नाम शामिल है। अपनी यात्रा के दौरान वित्त मंत्री पेरू के राष्ट्रपति दीना बोलुआर्टे और प्रधानमंत्री गुस्तावो एड्रियनजेन से मुलाकात करने के अलावा, पेरू के वित्त और अर्थव्यवस्था, रक्षा, ऊर्जा और खान मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। साथ ही, सीतारमण स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत कर सकती हैं। मंत्रालय ने कहा कि वित्त मंत्री भारत–पेरू व्यापार मंच की बैठक की भी अध्यक्षता करेंगी, जिसमें भारत और पेरू दोनों देशों के प्रमुख व्यापार प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

भाजपा विधायक का नेशनल हेराल्ड को करोड़ों रुपये के विज्ञापन दिए जाने का दावा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। धर्मशाला से भाजपा विधायक सुधीर शर्मा ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली हिमाचल सरकार नेशनल हेराल्ड जैसे अखबारों को करोड़ों रुपये के विज्ञापन देकर जनता के पैसे का दुरुपयोग कर रही है, जो राज्य में न तो बिकते हैं और न ही दिखाई देते हैं। यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए शर्मा ने आरोप लगाया कि पैसे का दुरुपयोग तब हो रहा है जब राज्य में न तो पेंशन और न ही सरकारी कर्मचारियों को समय पर वेतन दिया जा रहा है। नेशनल हेराल्ड को विज्ञापनों के रूप में 2.34 करोड़ रुपये देने के भाजपा नेताओं के दावों का खंडन करते हुए प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार ने कहा कि आरोप ''निराधार और सच्चाई से कोसों दूर हैं।'' मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने एक बयान में कहा कि पिछले ढाई साल के दौरान अखबार को एक करोड़ रुपये के विज्ञापन दिए गए हैं, जबकि भाजपा ने जयराम ठाकुर के कार्यकाल के दौरान अपने मुखपत्र और पत्रिकाओं को करोड़ों रुपये के विज्ञापन जारी किए थे। इस बीच, भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा राज्य के अपने दो दिवसीय दौरे के तहत हिमाचल पहुंचे। कांगड़ा हवाई अड्डे पर उतरने के बाद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। नड्डा सड़क मार्ग से चंबा के लिए रवाना हुए।

वे हमें बांटना चाहते हैं – ममता ने भाजपा और आरएसएस पर किया हमला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ममता ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक समुदायों को एक–दूसरे का ख्याल रखना चाहिए। बनर्जी ने

मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि "ये ताकतें" उकसावे पर हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पृष्ठभूमि का इस्तेमाल विभाजनकारी राजनीति करने के लिए कर रही हैं। उन्होंने एक खुले पत्र में आरोप लगाया, "पश्चिम बंगाल में भाजपा और उसके सहयोगी अचानक बहुत आक्रामक हो गए हैं। इन सहयोगियों में संघ भी शामिल है। मैंने पहले संघ का नाम नहीं लिया था, लेकिन अब मुझे उसका नाम बताने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इन सभी ने मिलकर राज्य में दुष्प्रचार अभियान शुरू किया है।" ममता ने कहा, "ये ताकतें उकसावे पर हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पृष्ठभूमि का इस्तेमाल कर रही हैं। वे इस पृष्ठभूमि का इस्तेमाल विभाजनकारी राजनीति करने के लिए कर रहे हैं। वे 'फूट डालो और राज करो' का खेल खेलने की योजना बना रहे हैं। यह भयावह है।" बनर्जी ने कहा कि दंगों में शामिल "अपराधियों" से सख्ती से निपटा जा रहा है। उन्होंने कहा, "बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक समुदायों को एक साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक–दूसरे का ख्याल रखना चाहिए।"

2 दिन के अमेरिका दौरे पर राहुल गांधी

नई दिल्ली , (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी दो दिवसीय अमेरिका दौरे पर बॉस्टन पहुंचे। राहुल के अमेरिका पहुंचते ही बोस्टन एयरपोर्ट पर इंडियन ओवरसीज कांग्रेस ने उनका स्वागत किया। इन दो दिनों में राहुल गांधी तमाम कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के साथ साथ रोड आइलैंड की ब्राउन यूनिवर्सिटी में छात्रों और शिक्षकों से संवाद करेंगे। राहुल की ये यात्रा उनके वैश्विक मंचों पर भारतीय मुद्दों को उठाने और प्रवासी भारतीयों से जुड़ने के प्रयासों का हिस्सा मानी जा रही है। अपनी इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी क्या कुछ करने वाले हैं और इस यात्रा के पीछे क्या मकसद है, आइए जानते हैं। पहले दिन राहुल गांधी एनआरआई समुदाय के सदस्यों और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

वह प्रवासी भारतीयों के साथ संवाद करेंगे और उनके विचारों को सुनेंगे। यह कार्यक्रम अमेरिका में भारतीय समुदाय के साथ उनके जुड़ाव को मजबूत करने का हिस्सा है। दूसरे दिन राहुल गांधी ब्राउन यूनिवर्सिटी में छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत करेंगे। वह व्याख्यान देंगे और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। यह दौरा उनकी दूसरी अमेरिकी यात्रा है, जो डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद हो रही है। बताते चलें कि इससे पहले, सितंबर 2024 में राहुल गांधी ने तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा की थी, जो विपक्ष के नेता की भूमिका संभालने के बाद उनकी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा थी। उस दौरे में उन्होंने डलास के टेक्सास यूनिवर्सिटी और वाशिंगटन डीसी के जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में हिस्सा लिया था। उन्होंने ओबीसी, दलित और आदिवासियों के प्रतिनिधित्व की कमी को "एलिफेंट इन द हाउस" करार देते हुए जाति जनगणना की वकालत की थी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पहले ही इस यात्रा की घोषणा करते हुए कहा था कि राहुल गांधी ब्राउन यूनिवर्सिटी में स्पीच देंगे।

संक्षिप्त समाचार

अगर राज और उद्धव फिर से एक साथ हो जाते हैं, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए – सुले

मुंबई, (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि अगर अलग हुए चचेरे भाई राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र के हित में फिर से एक साथ हो जाते हैं तो इसका "पूरे दिल से स्वागत" किया जाना चाहिए। सुले ने दोनों चचेरे भाइयों के बीच सुलह की संभावना के बारे में लगाई जा रही अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही। मनसे नेता राज ठाकरे और उनके चचेरे भाई एवं शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बीच संभावित राजनीतिक सुलह की अटकलों को उस समय बल मिला, जब दोनों के बयानों ने संकेत मिला कि वे "मामूली मुद्दों" को नजरअंदाज कर सकते हैं और लगभग दो दशक के अलगाव के बाद हाथ मिला सकते हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा कि उनके पिछले मतभेद "मामूली" हैं और 'मराठी मानुष' के व्यापक हित के लिए एकजुट होना कोई मुश्किल काम नहीं है। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह छोटी–मोटी बातों और मतभेदों को नजरअंदाज करने के लिए तैयार हैं, बशर्ते कि महाराष्ट्र के हितों के खिलाफ काम करने वालों को कोई महत्व नहीं दिया जाए। सुले ने संवाददाताओं से कहा, "राज ठाकरे ने कहा है कि महाराष्ट्र में हो रहा विवाद उनके विवाद से बड़ा है। यह मेरे लिए खुशी की खबर है.... अगर (दिवंगत शिवसेना संस्थापक) बाल ठाकरे हमारे बीच होते तो वह आज बहुत खुश होते।"

2008 मालेगांव विस्फोट मामले की सुनवाई पूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विशेष एनआईए अदालत ने महाराष्ट्र के नासिक जिले के सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील शहर मालेगांव विस्फोट मामले में करीब 17 साल बाद सुनवाई पूरी होने के बाद शनिवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। 29 सितंबर, 2008 को मुंबई से करीब 200 किलोमीटर दूर मालेगांव में एक मस्जिद के पास मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण के फटने से छह लोगों की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। अभियोजन पक्ष ने शनिवार को मामले की सुनवाई के अंत में कुछ उद्धरणों के साथ अपनी अंतिम लिखित दलीलें दाखिल कीं, जिसके बाद विशेष न्यायाधीश ए के लाहोटी ने मामले को फैसले के लिए 8 मई तक के लिए स्थगित कर दिया। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 323 अभियोजन गवाहों से पूछताछ की, जिनमें से 34 अपने बयान से पलट गए। लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, भाजपा नेता प्रज्ञा ठाकुर– मेजर रमेश उपाध्याय (सेवानिवृत्त), अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत मुकदमा चल रहा है।

सहेली के जेठ ने फिर रिश्तेदार ने लूटी आबरू, भाई ने भी किया ऐसा काम, जीते जी मर गई वो

आगरा, (संवाददाता)। मैनपुरी शहर कोतवाली क्षेत्र की महिला ने खुद के साथ सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया है। महिला ने सीजेएम कोर्ट में बरनाहल थाने में केस दर्ज कराने के लिए पुलिस को आदेशित करने को अर्जी दी। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अर्जी स्वीकार कर पुलिस को केस दर्ज कर जांच के आदेश दिए हैं। पीड़ित ने बताया कि उसकी आयु 34 वर्ष है। 19 जनवरी को वह सहेली के गांव गई थी। ज्यादा रात होने के कारण वहां रुक गई। रात करीब 11रू30 बजे सहेली का जेठ और एक अन्य आरोपी आ गए। सहेली ने दोनों से संबंध बनाने को कहा। विरोध के बाद आरोपियों ने दुष्कर्म किया। इसके बाद सहेली का भाई भी आ गया और उसने भी दुष्कर्म किया। पिटाई करने के बाद अगले दिन तक बंद करके रखा। किसी प्रकार वहां से भागकर घर आई और मामले की जानकारी पति को दी। पति के साथ मेडिकल कराया। बरनाहल थाने जाकर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया। इस पर कोर्ट की शरण लेते हुए अर्जी दाखिल की। कोर्ट ने पुलिस को केस दर्ज कर जांच का आदेश पारित किया है।

बर्थडे स्पार्कल स्टिक से हुआ ऐसा धमाका उखड़ गए घर के दरवाजे, आग में तीन झुलसे

आगरा, (संवाददाता)। आगरा के बल्केश्वर स्थित भगवान नगर में शनिवार शाम को बर्थडे स्पार्कल स्टिक (केक के ऊपर लगने वाली छड़ी) के परीक्षण के दौरान धमाका होने से आग लग गई। कमरे में मौजूद गृहस्वामी, उसका पार्टनर और एक युवती झुलस गए। धमाका इतना जबरदस्त था कि कमरे का दरवाजा उखड़कर दूर जा गिरा। दूसरी मंजिल पर परिवार के अन्य सदस्य फंस गए। पड़ोसियों ने सीढ़ी लगाकर उन्हें निकाला। फायर ब्रिगेड ने लोगों की मदद से आग बुझाई। हादसा शाम करीब 6 बजे हुआ। भगवान नगर निवासी गौरव बंसल अपने दोस्त आशीष जैन के साथ मिलकर घर में ही बर्थडे स्पार्कल स्टिक बनाने का काम करते हैं। दोमंजिला मकान के भूतल पर एक कमरे में स्टिक बनाई जाती थी। पैकिंग के लिए मेघा और चिया नाम की दो युवतियों को रखा था। स्पार्कल स्टिक फुलझड़ी की तरह होती है। इसमें मामूली मात्रा में बारूद होता है। पर कमरे में बारूद अलग से भी रखा हुआ था। मौके पर लोगों ने पुलिस को बताया कि स्पार्कल स्टिक के परीक्षण के दौरान अचानक धमाका हुआ और आग लग गई। कमरे के गेट बंद थे। कमरे के दरवाजे उखड़कर दूर जा गिरे। हादसे के समय चिया कमरे के बाहर थी। वह बच गई। कमरे में मौजूद आशीष जैन, मेघा और गौरव बंसल झुलस गए। धमाका इतना तेज था कि आधा किलोमीटर तक उसकी गूंज रही। पड़ोसी घरों के बाहर निकल आए। घर से लपटें उठती देखकर अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों ने घर की दूसरी मंजिल पर फंसे गौरव की पत्नी नेहा, डेढ़ माह की बेटी, सौरभ की पत्नी मोहिनी और बेटी अराध्या को सीढ़ी लगाकर किसी तरह बाहर निकाला। सूचना पर कमला नगर के एसओ निशामक त्यागी भी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। लोगों ने सबमर्सिबल पंप चलाकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। इसी बीच दमकल भी पहुंच गई। आग को दूसरी मंजिल पर फैलने से पहले ही काबू पा लिया गया। पुलिस ने झुलसे लोगों को एसएन अस्पताल में भर्ती कराया। आसपास के लोगों ने बताया कि बल्केश्वर की मेघा कुछ समय से गौरव के यहां पैकिंग का कार्य कर रही थी। उसकी शादी तय हो चुकी है। 26 अप्रैल को बरात आनी है। हादसे में वह झुलस गई है। परिजन को हादसे की जानकारी मिली तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। घनी आबादी वाले भगवान नगर में चांदी, केमिकल सहित अन्य व्यावसायिक गतिविधियां घरों में चल रही हैं। हादसे के बाद आसपास के लोग घबरा गए। हादसे के वक्त घर में तीन सिलिंडर फायर की टीम ने निकाले हैं। यदि आग इन सिलिंडरों में लग जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। इसकी चपेट में आसपास के घर भी आते। लोगों का कहना है कि आबादी वाले इलाकों में बिना लाइसेंस घरों में चल रहे ऐसे कार्यों की जांच होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

युवक का शव खेत में पड़ा मिला, हत्या की आशंका

बांदा , (संवाददाता)। कमासिन के भीति गांव में घर के पीछे खेत में रोहित (22) का शव संदिग्ध परिस्थिति में देर रात पड़ा मिला। शरीर में सिर्फ एक अंडरवियर था। मां ने देखा तो परिजनों को जानकारी हो सकी। गले में निशान मिले हैं। हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दो डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मां कल्ली ने बताया कि वह गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में रसोइया के पद पर है। रात डेढ़ बजे करीब वह उठी थी, तो घर के पीछे स्थित जलील और मुश्ताक के खेत में बेरी के पेड़ के नीचे उसके पुत्र रोहित का शव पड़ा मिला। उसने घर के लोगों को बताया। पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव की जांच पड़ताल कर घटनास्थल का मौका मुआयना किया। रोहित के गले में निशान मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि गला कसकर हत्या की गई है। मां कल्ली ने बताया कि उनकी किसी से कोई रंजिश नहीं है। रोहित नशे का आदी था। वह मकर संक्राति पर मुंबई से गांव आया था। तब से यहीं रह रहा था। दो डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। शरीर में जाहिरा चोट नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने पर ही कुछ बता पाएंगे। मामले की जांच की जा रही है।

विशाखा कमेटी का अध्यक्ष कौन नहीं जानतीं महिला कर्मचारी

बांदा , (संवाददाता)। सरकारी विभागों में विशाखा कमेटी तो बनी हैं, लेकिन इसकी कभी बैठक नहीं हुई। इस कमेटी में शामिल कई अफसर और कर्मचारी रिटायर्ड हो चुके हैं। दफ्तरों में काम करने वाली महिलाओं को तो यह भी नहीं पता कि विशाखा कमेटी का पदाधिकारी कौन है। कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2013 को विशाखा गाइडलाइंस जारी की थी। इसके तहत सरकारी विभागों में जहां 10 से अधिक महिलाएं काम कर रही हैं, वहां पर आंतरिक परिवाद कमेटी गठित करने का निर्देश दिया था। सुप्रीमकोर्ट आदेश के बाद सरकारी विभागों में आंतरिक परिवाद कमेटी तो गठित कर दी गईं, लेकिन गठन के बाद न तो कोई बैठक हुई और न ही पदाधिकाारियों में कोई रद्दोबदल किया गया। एक दशक पूर्व जो कर्मचारी कमेटी में रखे गए थे, वही आज भी हैं। इनमें कई स्थानांतरित हो गए और कई रिटायर्ड। यहां तक कि कई अधिकारियों और कर्मचारियों को कमेटी के बारे में जानकारी ही नहीं है। महिला कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें कभी भी कमेटी के बारे में नहीं बताया गया। प्राइवेट कार्यस्थलों पर कोई कमेटी नहीं बनी है।

मेधावियों को दी स्टूडेंट ऑफ द ईयर ट्रॉफी

बांदा , (संवाददाता)। वार्षिक परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी एवं सुविधाविहीन विद्यार्थियों को स्टूडेंट ऑफ द ईयर ट्रॉफी के साथ शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराई गई। इसे पाकर उनके चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई। तहसील सभागार में शनिवार को तहसीलदार चरखारी रामानंद, नायब तहसीलदार नरैनी सुशील व पार्वती महिला महाविद्यालय के संचालक राजेश पांडेय की उपस्थिति में टीम संकल्प की कार्यशाला हुई। विगत शैक्षणिक वर्ष में कंपोजिट विद्यालय रामपुरवा के दो मेधावी बच्चों कक्षा पांच के पंकज व कक्षा आठ के किशन को सम्मानित किया गया। टीम के सदस्य गोविंद ने बताया कि टीम संकल्प मेधावी एवं सुविधाहीन छात्रों की मदद के लिए एक पहल के रूप में कार्य करती है। प्रतिवर्ष 25 से अधिक परिषदीय विद्यालयों के मेधावियों को नवोदय व यूपी एनएमएमएसई सहित अन्य परीक्षाओं की तैयारी के लिए शैक्षिक सामग्री एवं पुस्तकें उपलब्ध कराई जाती हैं। कार्यशाला में कालीचरण, अभय, अमोद, रोहित, योगेंद्र देव, देवीदयाल, पीयूष सक्सेना, रामेश्वर यादव, उमाकांत, नेहा निगम, प्रिया, राकेश पटेल, निर्मल प्रकाश सिंह, डॉ. अभिषेक, राहुल सावंत, विकास एवं मनधीर सहित टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

ताज पर तपते पत्थर बिगड़ रही सैलानियों की हालत, पांच बेहोश अदालतों का भी बदला समय

आगरा, (संवाददाता)। आगरा में भीषण गर्मी में ताजमहल का दीदार करने पहुंचने वाले सैलानी आगरा की गर्मी नहीं सह पा रहे हैं। शनिवार को भी तबीयत खराब होने से पांच पर्यटक बेहोश हो गए। उन्हें डिस्पेंसरी में उपचार दिया गया। महाराष्ट्र की बुजुर्ग पर्यटक आशा अशोक कालकर को पेट दर्द, आंध्र प्रदेश के मोहम्मद अबुजार को बुखार और सिरदर्द, वेस्ट बंगाल के सुखेंदु को उल्टी और दस्त, वेस्ट बंगाल की रीना कुमारी को घबराहट व बीपी और महाराष्ट्र के जहीर उद्दीन को गर्मी की वजह से उल्टी और दस्त होने पर पश्चिमी पार्किंग स्थित डिस्पेंसरी पर प्राथमिक उपचार किया गया। हालत में सुधार होने पर पर्यटकों को उनके साथियों के साथ भेजा गया। हालांकि पुरातत्व विभाग ने सैलानियों को गर्मी से बचाने के लिए पानी, कूलर आदि लगाए हैं, लेकिन तपते पत्थरों पर चलने के बाद सैलानी हीट स्ट्रोक के शिकार हो रहे हैं। हाईकोर्ट के आदेश पर जनपद न्यायाधीश विवेक संगल ने ग्रीष्मकालीन अदालतों के समय में बदलाव किया है। एक मई से 30 जून तक अदालतों में न्यायिक कार्य का समय सुबह 7 बजे से दोपहर एक बजे तक रहेगा। कार्यालयों का समय सुबह 6:30 से दोपहर 1:30 बजे तक किया गया है। लंच सुबह 10:30 से 11 बजे तक रहेगा। जनपद के सभी न्यायालय, रेलवे मजिस्ट्रेट की अदालत, अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन फतेहाबाद व ग्राम न्यायालय तहसील किरावली, खेरागढ़, एत्मादपुर एवं बाह स्थित न्यायालय में सुबह 7 बजे से एक बजे तक मुकदमों की सुनवाई होगी।

नौवीं की छात्रा ने फंदे से लटक कर दी जान

आगरा, (संवाददाता)। आगरा के सदर क्षेत्र में स्कूल से लौटकर घर आई नौवीं की छात्रा ने पहली मंजिल पर बने कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। परिवार के लोग भूतल पर थे। काफी देर तक नीचे नहीं आने पर भाई ऊपर पहुंचा तो घटना की जानकारी हुई। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने दरवाजा तोड़कर शव को उतारा । आत्महत्या करने की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। सदर थाना प्रभारी ने बताया कि नंदपुरा देवरी रोड निवासी रमाशंकर जूता कारोबारी हैं। उनकी बेटी स्नेहा (14) शनिवार को दोपहर स्कूल से लौटी। हाथ–पैर धोने के बाद पहली मंजिल पर चली गई। अन्य लोग भूतल पर थे। काफी देर नीचे नहीं आने पर भाई बुलाने पहुंचा। कमरे का दरवाजा खोलने के लिए बहन को आवाज लगाई। कोई आवाज नहीं आई। उसने खिड़की से झांका तो स्नेहा पंखे पर प्लास्टिक की रस्सी के सहारे फंदे से लटकी थी। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने दरवाजे को तोड़कर शव को फंदे से उतारा। परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। तहरीर मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

खंदारी तक लगी यू–गर्डर, आईएसबीटी तक बने पिलर चार महीने में इन स्टेशनों तक दौड़ेगी मेट्रो

आगरा, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने पहले कॉरिडोर के 4 स्टेशनों का निर्माण कार्य तेज कर दिया है। खंदारी तक रैंप एरिया पर यू–गर्डर लग गए हैं। आईएसबीटी तक पिलर बनाने का कार्य भी इसी महीने पूरा हो जाएगा। तीन भूमिगत स्टेशन बनकर तैयार हो गए हैं, इनमें सिविल कार्य चल रहा है। यूपीएमआरसी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अरविंद राय ने बताया कि आरबीएस स्टेशन, राजा की मंडी स्टेशन और आगरा कॉलेज स्टेशन बन गए हैं। इनमें पटरी बिछाने के लिए तैयारी की जा रही है। इसके बाद सिग्नलिंग, सीसीटीवी कैमरे, एनाउंसर समेत अन्य की व्यवस्था की जाएगी। मेडिकल कॉलेज से मनरूकामेश्वर स्टेशन तक की सुरंग निर्माण का कार्य अभी अटका हुआ है। इनके साथ ही आईएसबीटी स्टेशन को भी तैयार कर रहे हैं। ये एलिवेटेड स्टेशन है और इसका इस्तेमाल मेट्रो ट्रेनों के स्टॉपेज के लिए किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खंदारी से रैंप एरिया का निर्माण पूरा हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

जेईई मेंस में कुशाग्र को आल इंडिया 15वीं रैंक

बांदा , (संवाददाता)। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई मेंस) में जिले के दो होनहार छात्रों ने सफलता हासिल की। गल्ला व्यापारी के बेटे कुशाग्र ने जहां आल इंडिया में 15वीं रैंक हासिल की है, वहीं उत्कर्ष को 7715 रैंक मिली है। छाबी तालाब मोहल्ला निवासी गल्ला व्यापारी अशोक गुप्ता (राजू बैंगहा) के बेटे कुशाग्र बैंगहा ने अपनी मेधा का प्रदर्शन कर जिले को गौरवान्वित किया है। मां कंचन गुप्ता ने बताया कि कुशाग्र कानपुर में आकाश इंस्टीट्यूट फूलबाग से पढ़ाई कर रहा था। बड़ी बहन आईआईटी रुड़की से बीटेक कर रही है। परिणाम घोषित हुआ तो कुशाग्र की सफलता पर घर में मिठाइयां बांटी गईं। भाजपा जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष अमित सेठ भोलू, नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन राजकुमार गुप्ता राज, नगर पालिका अध्यक्ष मालती गुप्ता बासु, रजत सेठ आदि ने कुशाग्र को बधाई दी। उधर, शहर के केन रोड निवासी उत्कर्ष शिवहरे ने अपनी मेधा का शानदार प्रदर्शन करते हुए जेईई मेंस में 98.1439 परसेंटाइल प्राप्त करके आल इंडिया रैंक (ओबीसी एनसीएल) में 7715 वीं रैंक हासिल की है । पिता नवल किशोर गुप्ता चित्रकूटधाम मंडल आयुक्त कार्यालय में कंप्यूटर प्रोग्रामर के पद पर कार्यरत हैं। उत्कर्ष ने सफलता का श्रेय अपने गुरु, दादी और माता–पिता को दिया है।

वन रक्षकों से मारपीट की रिपोर्ट तीन दिन बाद दर्ज

बांदा , (संवाददाता)। लकड़ी से भरा ट्रैक्टर पकड़ने पर वनरक्षकों से हाथापाई और जान से मारने की धमकी की रिपोर्ट तीन दिन बाद दर्ज की गई है। वनरक्षकों ने उसी दिन चालक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था। कोतवाली में आरोपी के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट की धारा में रिपोर्ट दर्ज की है। शहर के वन रेंज क्षेत्र रक्षक रामराज यादव ने बताया 16 अप्रैल की रात साढ़े नौ बजे वनरक्षक सुनील सिंह व अरुण कुमार के साथ आरटीओ कार्यालय पल्हरी के पास गश्त कर रहे थे। तभी एक ट्रैक्टर बाईपास कालूकुआं की तरफ से आता दिखाई दिया। ट्रैक्टर को रोका तो चालक गायत्री नगर निवासी कैलाशचंद्र साहू ने नहीं रोका। वनरक्षक ने चमरौडी चौराहे के पास घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ पर चालक ने अभद्रता और मारपीट की। ट्रैक्टर ट्रॉली में भरी लकड़ी वन संरक्षण अधिनियम के तहत प्रतिबंधित अर्जुन की मिली। कोई कागज भी नहीं थे। शहर कोतवाल पंकज सिंह ने बताया कि आरोपी चालक को जेल भेज दिया है। लकड़ी वन विभाग को सौंपी गई है।

दरगाह में चादर चढ़ाकर मांगी अमन–चौन की दुआ

बांदा , (संवाददाता)। हिंदू–मुस्लिम एकता के प्रतीक काले शहीद बाबा का 46वां उर्स हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अकीदतमंदों ने फातेहा पढ़कर अमन–चौन की दुआ मांगी। देर रात तक जवाबी कव्वालियों और शेरो शायरी का दौर चलता रहा। कस्बा स्थित काले शहीद बाबा की दरगाह पर शुक्रवार को उर्स आयोजित किया गया। बबेरू विधायक विशंभर सिंह यादव ने कार्यक्रम का शुभारंभ कराया। कहा कि उर्स का आयोजन गंगा–जमुनी तहजीब को मजबूती देती है। सुबह से मजार पर कुरआन ख्वानी, गुस्ल चादरपोशी का दौर चला। लोगों ने दरगाह पर इत्र व फूल चढ़ाकर मन्नत पूरी होने की दुआ मांगी। देर शाम कव्वाली व शेरो शायरी शुरू हुई। नागपुर से आए लतीफ चिश्ती, दिल्ली की आलिया इंडियन की जवाबी कव्वालियों और शेरो शायरियों ने लोगों को रात भर बांधे रखा। कमेटी अध्यक्ष मोहम्मद साबिर, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रमेशचंद्र साहू, नूरानी मस्जिद के नसीमुद्दीन, अबरार अहमद बरकाती, सज्जाद रब्बानी, आफताब आलम सिद्दीकी, मोहम्मद अतीक भी मौजूद रहे।

वन और संरक्षित वन छोड़कर एक-एक पेड़ की होगी गिनती, सुप्रीम कोर्ट ने चार सप्ताह में मांगे संशोधित नियम

आगरा, (संवाददाता)। ताज ट्रेपेजियम जोन (टीटीजेड) में पेड़ों के संरक्षण के बारे में सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई में कोर्ट ने सरकार को वन अधिनियम में संशोधन और सख्त नियम–कायदे बनाने के लिए चार सप्ताह की मोहलत दी है। 13 मई को अगली सुनवाई है। सुनवाई में सरकार को पेड़ों के संरक्षण के लिए बनाए नए नियम प्रस्तुत करने होंगे। साथ ही, वन एवं संरक्षित वन क्षेत्र छोड़कर टीटीजेड में एक–एक पेड़ की गिनती करने के लिए कहा गया है। टीटीजेड में काटे गए पेड़ों पर मामूली जुर्माना वसूला गया। जिसे लेकर याचिकाकर्ता डॉ. शरद गुप्ता ने आपत्ति दर्ज कराते हुए सख्त नियम बनाने के लिए कहा था। सरकार सख्त नियम बनाने से बचती रही। 8 अप्रैल को सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को चार सप्ताह की अंतिम मोहलत दी। नए नियम प्रस्तुत करने को कहा है। दूसरी तरफ टीटीजेड में पेड़ों की गिनती कराने के आदेश सुप्रीम कोर्ट ने टीटीजेड, फोरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट और प्रदूषण बोर्ड को दिए थे। बैठक के बाद 7.70 करोड़ रुपये की गिनती करने में लागत बताई गई। साथ ही, वन, संरक्षित वन, छावनी क्षेत्र, सरकारी भूमि और धौलपुर व भरतपुर में पेड़ों की गिनती नहीं हो पाने की बात सुप्रीम कोर्ट में दाखिल शपथपत्र में टीटीटीजेड अथॉरिटी की तरफ से कही गई। जिस पर आपत्ति दर्ज कराते हुए याचिकाकर्ता ने विरोध किया। सुप्रीम कोर्ट ने आपत्ति को सही मानते हुए अब निर्देश दिए हैं कि वन एवं संरक्षित वन क्षेत्र को छोड़कर सभी पेड़ों की गिनती करनी होगी। शनिवार को अपलोड हुए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार अब टीटीजेड में भरतपुर, धौलपुर के अलावा छावनी व सरकारी भूमि पर लगे एक–एक पेड़ की गिनती की जाएगी।

बल्दीराय व धनपतगंज वि0,खं0में शौचालय घोटाला में अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध

सुल्तानपुर (संवाददाता)। सरकारी अभिलेखों में ग्रामीण स्वच्छता योजना परवान चढ़ चुकी है । ग्रामीण शौचालय में शौंच भी कर रहे हैं । शौचालय निर्माण के बाद विभागीय जांच में भी ष्ऑल इज वेल ष्ऑन रेकॉर्ड है । किंतु जमीनी हकीकत कुछ और ही बयाँ कर रही है। केंद्र सरकार ने ग्रामीण

स्वच्छता योजनान्तर्गत सभी ग्रामीणों को स्वच्छ शौचालय देने की योजना चलाई । इस योजना से जहां स्वास्थ्य हित में लोगों को दूषित पर्यावरण से बचाना है तो वहीं विशेषतय: प्रत्येक घर की ष्इज्जतष बहू बेटियों को बाहर शौंच से भी बचाने की सरकार की मंशा है । योजना परवान चढ़ने से पहले ही तब धराशायी हो गयी। जब नियम कानूनों की अनदेखी कर ठेकेदारी प्रथा से 12000ध्द के शौचालय मानक के विपरीत जर्जर व घटिया बनवा दिए गए । प्रधानों से ब्लाककर्मी तक ष्धन लोलुपताष के चक्कर में ऐसे शौचालय का निर्माण करवा दिए जिससे अब फ्लॉप शौचालय योजना आगामी चुनाव में बड़ा मुद्दा बन सकता है। यदि शौचालय बनने के बाद भी आखिरी पायदान के लोगों को शौंच के लिए बाहर ही जाना पड़ रहा है तो सवाल उठना वाजिब भी है । बल्दीराय एवम धनपतगंज ब्लाक में ठेकाप्रथा से बनवाये गए शौचालयों में हुए व्यापक भ्रष्टाचार में जांच अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध हो गयी है । जिसके चलते करोड़ों रुपये का ष्घोटालाष सिर उठाये मुंह बाए खड़ी हैं । और जांच एजेंसियां भ्रष्टाचार के चश्मे से अंधी हो गयी है । जिन्हें न तो भाजपा सरकार की मंशा दिखाई दे रही है और न ही सरेआम इतना बड़ा घोटाला । 60: गरीबों के गरीब घर की महिलाऐं ष्इज्जतघरष के लिए आज भी मोहताज है ।जो सरकार के लिए आज बड़ी चुनौती है। वि०खं०धनपतगंज के चंदौर, लोहंगी , टीकर, खारा ,पीरो सरैया ,रसहरा, अमऊजासरपुर, जूडापट्टी ,जजजजौर, वरासिन, सरैयामाफी ,टीकर ,इटवा मलनापुर , बिसावां, बरौली, ग्रामसभा तथा बल्दीराय वि०खं०के रामनगर ,मऊ ,रैंचा ,बघौना अलियाबाद ,बहुरावां ,सुखबड़ेरी, चकशिवपुर , सोरांव , सिंघानी,डीह, दुर्गापुर, ग्रामसभाओं में ग्रामीण स्वच्छता मिशन अंतर्गत शौचालय निर्माण में जमकर भ्रष्टाचार का खेल खेला गया है । यहां निर्मित शौचालय या तो आधे अधूरे हैं अथवा 80:ध्वस्त होकर निष्प्रयोज्य हो गए हैं जिनमे शौंच करना जान जोखिम में डालने जैसा है । यही नही जांच में बहुत सारे ऐसे शौचालय अभिलेख में ऐसे मिलेंगे जिनके धनराशि तो निकल लिए गए हैं किंतु वे बने ही नही हैं । यदि केंद्र सरकार के इस महत्वाकांक्षी योजना की निष्पक्षपूर्ण जांच हो जाए तो प्रधान से ब्लाक एवम जांचकर्ताओं तक के भ्रष्टाचार में संलिप्तता की कलई परत दर परत खुल जाएगी । ब्लॉक से लेकर जिला परियोजना अधिकारी तक के संलिप्तता से सरकार की मंशा तो धराशाई तो हुई ही है अपितु गांव में गरीबों व महिलाओं के लिए इज्जतघर योजना भी फ्लॉप हो गयी है । जिससे वि०खँ०क्षेत्र में करोड़ों का घोटाला से इनकार नही किया जा सकता है। जो भाजपा सरकार के लिए चुनौती है ।

खेल तथा तकनीकी महोत्सव प्रतिभा 2025 का भव्य समापन

सुल्तानपुर (संवाददाता)। कमला नेहरू संस्थान के फरीदीपुर कैम्पस स्थित इंजीनियरिंग संकाय में चलने वाले तीन दिवसीय खेल तथा तकनीकी महोत्सव ष प्रतिभा 2025ष का भव्य समापन हुआ द्य आज तीसरे दिन क्रिकेट का फाइनल मैच डिप्लोमा रायल इलेवन फर्स्ट ईयर तथा सी एस वारियर्स के बीच खेला गया जिसमें सी एस वारियर्स विजेता रही द्य इसी प्रकार खो खो बालक वर्ग में डिप्लोमा इलेक्ट्रानिक्स फर्स्ट ईयर प्रथम तथा मेकेनिकल सेकेंड ईयर द्वितीय स्थान पर रहा द्य खो खो गर्ल्स में डिप्लोमा की टीम विजेता तथा बी. टेक. कम्प्यूटर साइंस की टीम उपविजेता रही द्य शतरंज मे बी. टेक. सिविल थर्ड ईयर के निखिल पान्डेय ने बाजी मारी और बी. टेक. मेकैनिकल के सतीश कुमार यादव रनर अप रहे । टेबल टेनिस में कम्प्यूटर साइंस के आदर्श सिंह तथा हिमांशु सिंह विजेता तथा अनुभव यादव व राहुल वर्मा उपविजेता रहे । कैरम में मेकेनिकल थर्ड ईयर के दीपक गुप्ता प्रथम तथा मेकेनिकल के ही तय्यब खान द्वितीय रहे द्य पेपर प्रेजेंटेशन में डिप्लोमा इलेक्ट्रानिक्स की छात्राएं प्रतिभा यादव तथा शिवांगी पान्डेय दूसरे तथा बी. टेक. सिविल

इंजीनियरिंग के आशुतोष श्रीवास्तव पहले स्थान पर रहे द्य विजेता खिलाड़ियों को समापन समारोह में मुख्य अतिथि कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एन्ड सोशल साइंसेज के प्राचार्य प्रो. (डा.) आलोक कुमार सिंह ने ट्राफी तथा मेडल देकर पुरस्कृत किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए सभी छात्रों को खेल महोत्सव में खेल भावना एवं अनुशासन का प्रदर्शन करने के लिए उनकी प्रशंसा की द्य संस्थान के निदेशक प्रो.(डा.) डी. एस. पुन्डीर ने छात्रों को तीन दिनों तक ऊर्जावान रहकर प्रतिभाग करने के लिए बधाई दी द्यसंस्थान के डीन रत्नेश सिंह सहित सभी विभागाध्यक्षों एवं शिक्षकों ने विभिन्न खेलों के विजेता छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया द्य समापन समारोह के अन्त में डीन रत्नेश सिंह ने उपस्थित मुख्य अतिथि, महोत्सव की आयोजन समिति के सभी सदस्यों तथा प्रबंध तन्त्र की ओर से उपस्थित महेंद्र प्रताप सिंह सहित सभी शिक्षकों का महोत्सव के सफल आयोजन के लिए का आभार व्यक्त किया।

फाइनेंशियल बिल के खिलाफ पेंशनर्स व शिक्षकों में उबाल

सुल्तानपुर (संवाददाता)। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में संसद में पारित फाइनेंशियल बिल 2025 में किए गए पेंशनर्स नियमों के संशोधन को लेकर पूरे प्रदेश में आक्रोश फैल गया है। इसी कड़ी में सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोशिएशन तथा उत्तर प्रदेश शिक्षक महासंघ, सुल्तानपुर शाखा ने इस कानून के विरोध में संयुक्त रूप से मोर्चा खोल दिया है। शनिवार 19 अप्रैल को तिकोनिया पार्क में दोनों संगठनों की एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई, जिसमें सरकार द्वारा 1 जनवरी 2026 से पहले सेवानिवृत्त होने वाले पेंशनर्स एवं शिक्षकों को वेतन आयोग की सिफारिशों से वंचित रखने के निर्णय पर गहरा रोष जताया गया। वक्ताओं ने कहा कि यह संशोधन न केवल आर्थिक अन्याय है बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सरकार की संवेदनहीनता का परिचायक भी है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 22 अप्रैल, मंगलवार को दोपहर 1 बजे तिकोनिया पार्क में सभी पेंशनर्स,

देवी-देवताओं की प्रतिमा तोड़ी, त्रिशूल को उखाड़ भक्तों को दौड़ाया

वाराणसी, (संवाददाता)। आजमगढ़ में मेंहनगर थाना क्षेत्र के सिंहपुर बाजार में रविवार सुबह एक सनसनीखेज घटना ने क्षेत्र में तनाव पैदा कर दिया। पुलिस चौकी के ठीक पीछे अमृत सरोवर पोखरे पर स्थित हनुमान मंदिर में स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा को एक मनबढ़ युवक ने खंडित कर दिया। आरोपी ने मंदिर में रखे त्रिशूल को भी उखाड़ लिया और विरोध करने वाले स्थानीय लोगों को दौड़ा लिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी युवक, रमेश गुप्ता पुत्र झब्बर गुप्ता, निवासी सिंहपुर को ग्रामीणों के सहयोग से हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि रमेश ने पुलिस पर भी हमला करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की सक्रियता से उसे काबू कर लिया गया। प्रतिमा खंडित होने की खबर फैलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों और बाजारवासियों ने घटना की निंदा की। मेंहनगर थाना प्रभारी अनुराग कुमार ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और भीड़ को कठोर कानूनी कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। आरोपी को तत्काल थाने ले जाया गया। वहीं, एहतियात के तौर पर मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। थाना प्रभारी अनुराग कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया आरोपी युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत होता है, लेकिन यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि आरोपी का कृत्य अक्षम्य है। इसने लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

दहेज में कार नहीं मिलने पर शादी के दिन भाग गया दूल्हा, केस दर्ज

गोरखपुर, (संवाददाता)। खजनी इलाके में शुक्रवार को दहेज में कार नहीं मिलने पर शादी के दिन दूल्हा भाग गया। शनिवार को लड़की के घरवाले खजनी थाने पहुंचे और लड़का पक्ष पर दहेज लेने का आरोप लगाया। लड़की के पिता की तहरीर पर पुलिस टेकवार के सूरज पांडेय और उसके पिता राजेंद्र पांडेय के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कर जांच में जुट गई है। पूछताछ के लिए लड़के पक्ष से दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। खजनी इलाके के एक गांव निवासी लड़की के पिता ने तहरीर देकर बताया कि बेटी की शादी टेकवार के सूरज पांडेय से 18 अप्रैल को होनी थी। इसको लेकर मैरिज लॉन की साज सज्जा, बरातियों के भोजन, जलपान समेत सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। शादी से पहले ही 10 लाख नकद, आठ लाख के गहने, एसी, फ्रिज आदि कीमती घरेलू सामान दूल्हे के घर भिजवा दिए गए थे। लड़की के पिता ने पुलिस को बताया कि शादी के दिन बाल कटवाने अपने घर से निकला सूरज लौटकर नहीं आया। आरोप है कि जब देर होने लगी तो लड़का पक्ष के पास फोन कर पूछा गया तब भी वे यही बोल रहे थे कि अभी थोड़ी देर में बरात निकलने वाली है। कई घंटे तक परिजन लड़के के भाग जाने की सूचना छिपाए रहे। रात में लड़की के घरवालों को कहीं से जानकारी मिल गई कि लड़का भाग गया है। शनिवार को लड़की पक्ष के लोग खजनी थाने पहुंचे। लड़के पक्ष को उपहार में दिए गए कीमती सामान और शादी की तैयारी में खर्च हुई रकम को लौटाने की मांग की। इस संबंध में खजनी थाना प्रभारी सत्यदेव ने बताया कि तहरीर के अनुसार केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

हर 2 मिनट में मिलेगा गंडोला, एक घंटे में छह हजार लोग करेंगे यात्रा

वाराणसी, (संवाददाता)। रोपवे के पहले फेज के पहले सेक्शन का 75 फीसदी काम पूरा हो चुका है। मई तक काम पूरा होना प्रस्तावित है। रोपवे शुरू होने के बाद गोदौलिया से कैंट रेलवे स्टेशन पहुंचने में लगभग 16 मिनट लगेगा। एक दिशा में एक घंटे में 3000 लोग यात्रा कर सकेंगे। यानी 6000 लोग दोनों दिशा से एक घंटे में आ जा सकेंगे। रोपवे चलने के दौरान हर डेढ़ से दो मिनट के अंतराल में यात्रियों को गंडोला उपलब्ध रहेगा। मेट्रो की तर्ज पर इसका संचालन 16 घंटे किया जाएगा। रोपवे से जुड़े एक अफसर ने बताया कि रोपवे यातायात के लिए जितना सुगम होगा उतना ही यात्रियों के लिए सुरक्षित भी होगा। आंधी, बरसात और कोहरा भी गंडोला की गति को रोक नहीं पाएंगे। 60 किमी प्रति घंटे की स्पीड से चल रही हवा में भी गंडोला सुरक्षित तरीके से चलता रहेगा। इससे तेज चलने वाली आंधी में सेंसर अलर्ट कर देगा। ऐसे समय में यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए गंडोला को गैरेज में पार्क कर दिया जाएगा। रोपवे की अत्याधुनिक तकनीक के चलते ठंड के दिनों में कोहरे और बारिश में भी रोपवे चल सकेगा। बिजली जाने पर खास तरह की बैकअप व्यवस्था रहेगी। लगभग 45 से 50 मीटर की ऊंचाई से करीब 148 ट्रॉली कार चलेगी। एक ट्रॉली में 10 पैसेंजर सवार हो सकते हैं। दूसरे सेक्शन रथयात्रा से गोदौलिया तक सितंबर तक पूरा होने की उम्मीद जताई जा रही है। गोदौलिया पर एक तरफ पिलर तैयार करने का काम शुरू कर दिया गया है और अगले पंद्रह दिन में पिलर का काम पूरा हो जाएगा। रथयात्रा होगी गंडोला की पार्किंग, सौर ऊर्जा को मिलेगा बढ़ावा रू पूरे दिन चलने के बाद जब रोपवे का संचालन बंद किया जाएगा तो सभी गंडोला रथयात्रा पर पार्क किए जाएंगे। इसकी पार्किंग रथयात्रा पर तैयार की जा रही है। वहीं, गंडोले के अंदर जलने वाली लाइटों में सौर ऊर्जा का इस्तेमाल होगा। सभी गंडोले सौर ऊर्जा से लैस रहेंगे। रोपवे के लिए भारत माता मंदिर परिसर में बन रहे बिजली उपकेंद्र में अभी करीब तीन महीने तक का समय लगेगा। जब तक बिजली उपकेंद्र बनकर तैयार नहीं हो जाता, तब तक रोपवे का संचालन नहीं हो सकेगा।

डीजे बजाने को लेकर मारपीट, जान बचाने को भागा युवक कुएं में गिरा

वाराणसी, (संवाददाता)। सोनभद्र के दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के सरडीहा गांव में शनिवार की रात शादी समारोह का जश्न उस समय मातम में बदल गया, जब डीजे की धुन पर नाचने के दौरान बरातियों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस घटना में 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। वह 12वीं का छात्र था। तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, सरडीहा निवासी रामस्नेह विश्वकर्मा की बेटी की बरात बभनी थाना क्षेत्र के पोखरा चौनपुर से आई थी। बरात में शामिल बराती डीजे की धुन पर झूम रहे थे। इसी दौरान गाने को लेकर आपसी विवाद इतना बढ़ गया कि बरातियों के दो पक्ष आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते मामला मारपीट में बदल गया। बरात देखने पहुंचे गांव के ही मोहित यादव (17), मोतीलाल यादव (22) और अशर्फीलाल यादव (22) बरातियों से उलझ गए। आक्रोशित बरातियों ने लाठी-डंडों से तीनों युवकों की जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान मोहित यादव को डंडे से सिर पर गंभीर वार किया गया। मारपीट से बचने के लिए मोहित और नीरज भागते हुए पास के कच्चे कुएं में गिर गए। नीरज किसी तरह बाहर निकल आया, लेकिन मोहित गंभीर चोट लगने के कारण कुएं में ही बेहोश हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घायलों को दुद्धी सीएचसी में भर्ती कराया गया है। मोहित इंटर का छात्र था और उसकी मौत से परिवार व गांव में कोहराम मच गया। कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और विधिक कार्रवाई की जा रही है। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती की गई है।

संक्षिप्त समाचार

बसपा ने किया दलित युवक मदनलाल हत्याकाण्ड के उच्चस्तरीय जांच की मांग

बस्ती(संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने शनिवार को एक प्रतिनिधि मण्डल के साथ सीओ सदर से वार्ता कर मांग किया कि मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के जोगिया गांव में गत 29 जनवरी 2025 को मदनलाल के संदिग्ध मामलों में उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर न्याय दिलाया जाय।बसपा अध्यक्ष अनिल कुमार ने एसपी को सम्बोधित पत्र देते हुये बताया कि मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के जोगिया निवासी अनुसूचित जाति दलित चन्द्रिका प्रसाद का छोटा पुत्र 19 वर्षीय मदनलाल गत 29 जनवरी 2025 को सामान खरीदने बाजार गया था, काफी खोजबीन के बाद 30 जनवरी को गड्ढी के कीचड में उसकी लाश बरामद हुई। ऐसा लगता है कि रूपया छीनकर किसी ने मदनलाल की हत्या कर दिया और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से गड्ढी में पानी भर दिया। मदनलाल की हत्या के खुलासे की मांग को लेकर बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल भी जोगिया गांव पहुंचे और परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया था। अनेकों प्रार्थना पत्र देने के बावजूद अभी तक मुण्डेरवा पुलिस ने मदनलाल की हत्या मामले में कोई कार्रवाई नहीं किया। मांग किया कि उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।बसपा अध्यक्ष अनिल कुमार, मुख्य मण्डल प्रभारी धर्मदेव प्रियदर्शी ने कहा कि यदि मुण्डेरवा पुलिस ने दलित मदनलाल की हत्या का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार कर जेल न भेजा तो बसपा का संघर्ष न्याय मिलने तक अनवरत जारी रहेगा।प्रतिनिधि मण्डल में मुख्य रूप से सीताराम शास्त्री, संजय धूसिया, अभिषेक कुमार गौतम, श्याम भवन, रामचेत 'निराला', चन्द्रिका प्रसाद, रामरती, चांदनी गौतम आदि शामिल रहे।

लालगंज मेले में खोया पाया शिविर का समापन: 100 से अधिक बिछड़ों को अपनों से मिलाया

बस्ती (संवाददाता)। लालगंज स्थित कुंआनों, मनवर संगम तट पर लगने वाले विशाल मेले में समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा अध्यक्ष जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में खोया पाया शिविर का आयोजन किया गया। पांच दिनों तक चले शिविर में 100 से अधिक बिछड़ों को उनके परिजनों से मिलाया गया। शिविर का समापन करते हुए डा. वी. के. वर्मा ने कहा कि कुंआनों के संगम लालगंज का मेला ऐतिहासिक है। यहां मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने विश्राम किया था। जनपद के विभिन्न मेलों में समाजसेवी जय प्रकाश गोस्वामी द्वारा पिछले 34 वर्षो से खोया पाया शिविर का लगाया जाना सेवा का बड़ा उदाहरण है। कहा कि मेले में बिछड़ों को अपनों से मिलाना पुनीत कार्य है। समाजसेवी कृष्णदेव गोस्वामी ने कहा कि मेले में खोया पाया शिविर का संचालन बड़ी समाजसेवा है। पांच दिनों तक चलने वाला शिविर निश्चित रूप से बेहद उपयोगी रहता है। खोया पाया शिरि की भूमिका महत्वपूर्ण है। पूर्व प्रमुख गोस्वामी कुमकुम भारती ने कहा कि जब से यहां शिविर शुरू हुआ है मेले में आने वाले लोगों को विशेष सुविधा हुई है। अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये आयोजक जय प्रकाश गोस्वामी ने कहा कि समिति की ओर से प्रति वर्ष मेले में शिविर लगाकर खोये बच्चों को उनके परिजनों से मिलवाया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

बसपा के मण्डल स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

बस्ती (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी की मण्डल स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में बूथ स्तर पर सांगठनिक मजबूती, युवाओं को जोड़े जाने पर जोर दिया गया।समीक्षा बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये मुख्य मण्डल प्रभारी पूर्व एम.एल.सी. डा. विजय प्रताप ने कहा कि आगामी 2027 का चुनाव बसपा बहन मायावती के नेतृत्व में पूरी मजबूती से लड़ेगी। इसके लिये संगठन का बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत होना जरूरी है। कहा कि बसपा सर्व समाज को साथ लेकर आगे बढ रही है। विशिष्ट अतिथि मुख्य मण्डल प्रभारी धर्मदेव प्रियदर्शी, पूर्व विधायक भगवानदास, सीताराम शास्त्री, पूर्व एम.एल.सी. लालचंद निषाद, आदि ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने उपस्थित नेताओं, कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि बैठक में जो महत्वपूर्ण सुझाव आये हैं उसका जमीनी धरातल पर तेजी के साथ क्रियान्वयन कराया जायेगा।बसपा के मण्डल स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से संजय धूसिया, अमित चौधरी, शिवशंकर चौधरी 'शाका', विनय अम्बेडकर, तालिब अली उर्फ शब्बू, भरतलाल निषाद, झिनकान गौतम, अभिषेक, रामचेत निराला, बनवारीलाल कन्नौजिया, राम सागर प्रधान, नवमी प्रसाद, उमाशंकर गौतम, राजीव राव, प्रदीप कुमार गौतम, शिव कुमार, देशराज गौतम, कृपाशंकर गौतम, राजेन्द्र आजाद, राजेन्द्र प्रसाद गौतम, रामफेर, रामचन्द्र, जुगुल किशोर चौधरी, अनूप कुमार, राम सरोज, ई. राजेन्द्र प्रसाद, प्रिन्स कुमार, सरयू प्रसाद, राजेश गौतम, शिवम, अनिल आजाद, बृजेश, अरविन्द आर्य, पट्टूराम आजाद, आशीष कुमार, अलीम, दीपक के साथ ही बसपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन पदाधिकारियों को दिलाया शपथ

बस्ती(संवाददाता)। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन उत्तर प्रदेश के बस्ती शाखा के पदाधिकारियों और सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह और परिचय पत्र का वितरण जिलाध्यक्ष डा. वी0के0 वर्मा के संयोजन में किया गया। डा. वर्मा ने कहा कि पत्रकारों के पास यूनियन का परिचय पत्र होना आवश्यक है जिससे वे अपने दायित्वों का पालन निष्ठापूर्वक कर सकें। पदाधिकारियों ने जो शपथ लिया है उसका पालन करें जिससे पत्रकारिता की गौरव गरिमा बनी रहे। पत्रकारिता के अपने दायित्व हैं, पत्रकारों को इस भूमिका पर खरा उतरना होगा। वे इस क्षेत्र की पवित्रता और विश्वास को बचाये बनाये रखने में योगदान दें। पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराते हुये प्रभारी जिला सूचना अधिकारी अवधेन्द्र वर्मा ने कहा कि पत्रकारों का दायित्व विशेष महत्वपूर्ण है।जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा, संरक्षक डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' राकेश गिरी महामंत्री, जितेन्द्र यादव 'जीत' कोषाध्यक्ष, अरूण कुमार, अजय श्रीवास्तव उपाध्यक्ष, , रितिक कुमार सचिव और कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राजेश कुमार पाण्डेय , सर्वेश कुमार श्रीवास्तव, राकेश त्रिपाठी, बब्रुन्दर यादव, लवकुश यादव, अमन खान, सरताज आलम, दीपक द्विवेदी, देवेन्द्र पाण्डेय, श्रीप्रकाश श्रीवास्तव आदि को शपथ दिलाया गया।संरक्षक डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग', प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद उपाध्याय ने कहा कि ज्ञान पत्रकारिता की आवश्यक शर्त है। निरन्तर अध्ययन आवश्यक है।जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि उनका प्रयास होगा कि पत्रकारों की समस्याओं का प्रमुखता से समाधान कराया जाय।कार्यक्रम में लवकुश सिंह, राकेश तिवारी, राजेन्द्र उपाध्याय, राम विलास कसौधन, फैय्याज, अनिल कुमार श्रीवास्तव, श्री प्रकाश गुप्ता, मो. कलीम, मो. रिजवान, सुमित जायसवाल, दिलीप चन्द्र पाण्डेय, कपीश मिश्र, अनूप मिश्र, आशुतोष नारायण मिश्र, शिवेश शुक्ल, जय प्रकाश गोस्वामी, इन्द्रभूषण, राम वेलास आदि उपस्थित रहे।

माफियामुक्त, गुंडामुक्त और दंगामुक्त हुआ यूपी अब सिर्फ विकास की चर्चा - सीएम योगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर के विकास को और ऊंचाई देते हुए करीब 1500 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने रोड कनेक्टिविटी, सीवरेज, चिकित्सा, पर्यटन सहित कई क्षेत्रों से जुड़ी 146 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर मानबेला मैदान में आयोजित लोकार्पण और शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले समाज को जाति, मत, मजहब के नाम पर बांटने वाली ताकतों ने यूपी का विकास करने की बजाय खुद का और परिवार का विकास किया। परिवार तक सिमटी ये ताकतें समाज को बांटने के लिए दंगा कराती थीं। डबल इंजन सरकार आने के साथ यूपी आठ साल से माफियामुक्त, गुंडामुक्त और दंगामुक्त हो चुका है। यूपी की चर्चा अब सिर्फ विकास के लिए होती है। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं होता है। जो विकास नहीं करा पाते, वे जाति, मत, भाषा, क्षेत्र, मजहब के नाम पर सामाजिक तानेबाने को छिन्न भिन्न कर समाज के सौहार्द को बिगाड़ने का काम करते हैं। मौका मिलने पर ऐसे लोग स्वयं और अपने परिवार के विकास के लिए कार्य करते हैं, जनता की भलाई के लिए कोई प्रयास नहीं करते हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों को 2014 के पूर्व के भारत और 2017 के पूर्व के उत्तर प्रदेश की याद दिलाते हुए कहा कि तब भारत भ्रष्टाचार में डूबा हुआ था, नौजवान किंकर्तव्यविमूढ़ थे। देश की सुरक्षा के लिए नक्सलवाद और आतंकवाद की चुनौती थी। दस वर्षों से आप सबने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बदलते भारत को भी देखा है। नया भारत विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित करते हुए आगे बढ़ रहा है। आतंकवाद, नक्सलवाद समाप्त करने के संकल्प को पूरा करते हुए, विरासत और विकास का समन्वय स्थापित करते हुए नई ऊंचाई पर पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी भी नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के रूप में अपनी आभा बिखेर रहा है। आठ वर्षों में बदलते परिवेश और परिवर्तन को सभी लोगों ने देखा है। यहां अन्नदाता किसानों को सम्मान मिल रहा है। यहां नारी गरिमा और सुरक्षा की गारंटी है। व्यापारियों को सुरक्षा की गारंटी और नौजवानों को रोजगार की गारंटी है। यहां के हर जिले का विकास देखकर लोग वाह वाह कहते हैं। नई पहचान बना रहे उत्तर प्रदेश में व्यापारी बिना भय के कारोबार करते हैं। नए-नए उद्यम लग रहे हैं तो बड़ी संख्या में रोजगार भी मिल रहा है। बहन और बेटियां बिना भय के स्कूल-कॉलेज और बाजार जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकारों में पूर्वी उत्तर प्रदेश में मुसहर भुखमरी से मरते थे तो बुंदेलखंड में किसान आत्महत्या को मजबूर होते थे। परिस्थितियों में परिवर्तन करने की बजाय तबकी सरकारों ने समाज को जाति, क्षेत्र, मजहब के नाम पर बांटने और दंगा कराने का काम किया। दंगा कराने के बाद दोनों समुदायों से अलग अलग मिलकर उनका हितैषी बनने का दिखावा किया। उन्होंने कहा कि आज आठ साल से यूपी में दंगा नहीं, बिना भेदभाव विकास हो रहा है। आज का यूपी माफिया, गुंडा, दंगा से मुक्त होकर वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) और वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज) पर काम करता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को सक्षम बनाने के लिए दो करोड़ स्मार्टफोन-टैबलेट वितरित किए जा रहे हैं। स्थानीय कारीगरों और शिल्पियों के लिए ओडीओपी और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना चलाई जा रही है। स्ट्रीट वेंडर्स को पीएम स्वनिधि योजना से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। यूपी में कोई भूखों नहीं मर सकता, यहां 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार के कदम जीरो पॉवर्टी का लक्ष्य हासिल करने की तरफ बढ़ चले हैं। इसके लिए सरकार नए कार्यक्रम लेकर आ रही है इसमें ऐसे परिवार जो किन्हीं भी कारणों से सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उनको चिन्हित करने के लिए सर्वे कराया जा रहा है। को आवास योजना, आयुष्मान योजना का लाभ दिलाने के साथ ही उनके राशन कार्ड बनवाए जाएंगे। जिन्हें पेंशन की जरूरत होगी उन्हें पेंशन दिलाया जाएगा और परिवार के बेरोजगार नौजवानों को स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे विकास की योजनाओं को अनावश्यक रूप से नुकसान न पहुंचाएं।

सिद्धार्थनगर में प्रशासनिक कार्रवाई का कर रहे थे विरोध

गोरखपुर, (संवाददाता)। बांसी के रामलीला मैदान जदीद बाजार में स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही रविवार को शुरू की गई। इस दौरान काफी संख्या में पुलिस व पीएसी पहले से ही तैनात कर दी गई। इस कार्रवाही के खिलाफ पीडब्लूडी के निरीक्षण भवन में समर्थकों के साथ सपा के पूर्व विधायक न जिलाध्यक्ष लालजी यादव अन्य पूर्व विधायक विजय पासवान व अन्य समर्थकों के साथ धरना दे रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने मौके पर पहुंच दोनों पूर्व विधायकों को हिरासत में लिया और वहां से शिवनगर डिडई थाना लेत आई। इससे पहले, मोनू दूबे सहित कई अन्य सपा नेताओं को शनिवार की रात में हाउस अरेस्ट कर लिया गया था। कार्रवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ, एसडीएम बांसी शशांक शेखर राय, एसडीएम डुमरियागंज डा संजीव कुमार दीक्षित, सीओ मयंक द्विवेदी सहित कई थानाध्यक्ष बी मौजूद रहे।

प्रशिक्षक विशाल कुमार को मिला सेकंड डन ब्लैक बेल्ट

गोरखपुर, (संवाददाता)। बोधिधर्मन मार्शल आर्ट क्लब के प्रशिक्षक विशाल कुमार ने 19 अप्रैल को मुंबई में आयोजित ताइक्वांडो ब्लैक बेल्ट कैंप में शानदार प्रदर्शन कर ब्लैक बेल्ट सेकंड डन प्राप्त किया। क्लब के अध्यक्ष सनी निषाद ने बताया कि महिला सशक्तिकरण को लेकर अपनी टीम के साथ करीब 50 हजार से अधिक बालिकाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दे चुके हैं। ब्लैक बेल्ट सेकंड डन प्राप्त करन पर ताइक्वांडो ग्रैंड मास्टर परवेज खान, सनी निषाद, राजकुमार, ललित कुमार, सनी सिंह, सचिन त्रिपाठी, सुनील चौहान आदि ने बधाई दी है।

अभाव और अपमान में भी बाबा साहब ने बनाया रास्ता

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर क्लब में आंबेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत आयोजित विचार गोष्ठी में कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने अभाव व अपमान में भी रास्ता बनाया। सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए पूरे देश को सम्मान दिलाया। बाबा साहब के कारण ही बिना भेदभाव हर व्यक्ति को समान मताधिकार के उपयोग की स्वतंत्रता प्राप्त हुई। यूरोप के तमाम देशों में अश्वेतों व महिलाओं को वोट देने का अधिकार बहुत बाद में दिया। लेकिन भारत ने संविधान निर्माण के साथ ही 1952 के पहले आम चुनाव में ही एससीएसटी, अतिपिछड़ी व महिलाओं को मत देने का अधिकार दे दिया था।भाजपा की ओर से आयोजित गोष्ठी में मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब ने मेहनत के साथ संविधान तैयार कराया, लेकिन कांग्रेस उन्हें संविधान सभा में जाने नहीं देना चाहती थी। उन्हें ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया। पं. नेहरू नहीं चाहते थे कि उन्हें यह पद मिले। इसके लिए काफी षडयंत्र भी किया गया। कांग्रेस ने 1952 में बाबा साहब को चुनाव नहीं जीतने दिया। उन्हें हराने वाले को पद्म पुरस्कार दिया। जब हिंदू महासभा के एक सदस्य ने पुणे की सीट छोड़ी, तब बाबा साहब संसद में गए। सीएम ने कहा कि बाबा साहब ने जो 65 वर्ष में नहीं किया, वह लोग सैकड़ों वर्ष में नहीं कर पाए। बाबा साहब के नाम पर लोकलुभावन नारे-भाषण देने वाले अनेक आएंगे, लेकिन उनके सूत्रों-आदर्शों को आत्मसात करने वाले एकमात्र दल भारतीय जनता पार्टी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सांसद था तो कुशीनगर में मुसहर समाज की लोगों की भूख से मौत की जानकारी लेने गया था। उस समय प्रदेश में सपा सरकार थी। पता चला कि मुसहर समाज के लोगों के राशन कार्ड सपा पदाधिकारियों के पास थे। गरीब भूख से मरता था और सपा के लोग उनके नाम पर राशन लेते थे। आज प्रदेश में हर मुसहर, थारू, वनटांगिया, चेरो, कोल के पास जमीन, मकान, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंसेफेलाइटिस से होने वाली मौत से सर्वाधिक प्रभावित अल्पसंख्यक, एससी व एसटी बच्चे थे। अकेले आंदोलन करता था। सपा, कांग्रेस कभी जनता के सुख-दुख में सहभागी नहीं बनी। 2012 में सत्ता में आते ही सपा के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने कहा था कि सामाजिक न्याय के पुरोधा भीमराव आंबेडकर, ज्योतिबा फुले, सावित्री बाई फुले, छत्रपति साहू जी महाराज के नाम पर लखनऊ में बने स्मारक तोड़ेंगे। तब भाजपा ने विरोध किया था। सपा जब सरकार में आई तो लखनऊ में कांशीराम के नाम पर विश्वविद्यालय का नाम ऊर्दू-फारसी, अरबी विश्वविद्यालय कर दिया। कन्नौज मेडिकल कॉलेज से बाबा साहब का नाम बदल दिया। 2015-16 में अनुसूचित जाति की छात्रवृत्ति रोक दी थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोड़धोइया नाला प्रोजेक्ट के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए मई तक इसे पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के पूर्ण हो जाने से शहर के उत्तरी क्षेत्र के लोगों को जलभराव से मुक्ति मिल जाएगी। यह स्वच्छता, ग्रीनरी का भी प्रतिमान बनेगा। जेल बाईपास के समीप स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचे मुख्यमंत्री ने वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से गोड़धोइया नाला प्रोजेक्ट के निर्माण कार्यों की जानकारी ली। इसके बाद नाले के समीप जाकर वाटर लेवल के बारे में पूछा। निरीक्षण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि गोड़धोइया नाले का सिकुड़ा स्वरूप आधे गोरखपुर के लिए जलभराव का सबसे बड़ा कारण था। पहले यह नाला पूरे उत्तर क्षेत्र के बरसाती जल की निकासी का माध्यम था। धीरे-धीरे करके वह सिकुड़ता गया। इसके बाद उसमें सिल्ट जमा हो गया। कभी सफाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जब कोई निर्माण होता है तो तात्कालिक रूप से कुछ लोगों को परेशानी होती है। जब यह परियोजना पूरी हो जाएगी तब जलनिकासी की समस्या का समाधान हो जाएगा। सीएम ने कहा कि जल निगम और स्थानीय प्रशासन ने उन्हें आश्वस्त किया है कि मई तक इसे पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। जहां वाटर डायवर्जन को दिक्कत आएगी, वहां कच्चे मार्ग से इसका समाधान किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ सांसद रविकिशन, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव और कई पार्षद तथा भाजपा के पदाधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद जनता को संबोधित करने के कार्यक्रम की शुरूआत में मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव जैसे स्वागत भाषण देने माइक पर पहुंचे ।

संपादकीय

जंजाल की जेलें

दरअसल, जेल बनाने का मूल मकसद देशकाल, परिस्थिति, भावनात्मक उद्वेग या आपराधिक मनोवृत्ति से अपराध की दुनिया में कदम रखने वाले लोगों में सुधार लाना ही रहा है। जिससे भटके हुए लोग समाज की मुख्यधारा से अलग रहकर आत्ममंथन कर सकें। सजा का मकसद दंड के बजाय सुधार रहा है। लेकिन भारतीय जेलें जिस हाल में हैं, उससे यह मकसद पूरा होता नजर नहीं आता। निस्संदेह, देश में जेलें संकटग्रस्त हैं। ये सभ्य नागरिकों की राह से भटके लोगों को भेड़–बकरियों की तरह भरने वाले स्थानों जैसी हैं। इस बाबत इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 कमोबेश इन्हीं स्थितियों का खुलासा करती है। वर्ष 2022 तक 4.36 लाख कैदियों के रहने हेतु बनायी गई जेलों में 5.73 लाख कैदी बंद थे। जो निर्धारित से 131 फीसदी अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक जेलों में कैदियों की संख्या 6.6 लाख तक पहुंच सकती है। जो निर्धारित 5.15 लाख की अनुमानित क्षमता से कहीं अधिक होगी। निस्संदेह, यह संकट अनुमान से कहीं अधिक गहरा है। निश्चित रूप से इसे कैदियों के मानवाधिकार का आपातकाल कहा जा सकता है। लेकिन संकट सिर्फ भीड़भाड़ का ही नहीं है। विडंबना देखिए कि पूरी जेल आबादी के लिये सिर्फ 25 मनोचिकित्सक ही हैं। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2012 के बाद कैदियों में मानसिक रोग दुगने आंके गए हैं। इनमें ज्यादातर वे कैदी हैं जो विचाराधीन हैं। जिनका अपराध तय नहीं हो पाया है। न्यायिक प्रक्रिया में विलंब की कीमत उन्हें चुकानी पड़ रही है। वहीं दूसरी ओर जेलों में चिकित्सा व्यवस्था का संकट भी उतना ही गहरा है। जेलों में चिकित्सा अधिकारियों के 43 फीसदी पद रिक्त पड़े हैं। यह व्यवस्थागत खामियों की ही तसवीर है कि देश की राजधानी में 206 कैदियों पर एक चिकित्सक नियुक्त है। यही वजह है कि उचित देखभाल के अभाव में जेलों में तमाम कैदी मानसिक व शारीरिक कष्ट झेल रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद इस गंभीर समस्या के समाधान के लिये गंभीर प्रयास नहीं हो रहे हैं। निश्चित रूप से कैदियों के हितों की अनदेखी कोई नई बात नहीं है। देश की शीर्ष अदालत अकसर दीर्घकालीन जेल नियोजन की आवश्यकता पर बल देती रही है। लेकिन शासन–प्रशासन की कार्यवाही या तो धीमी है या फिर इन समस्याओं के प्रति उदासीन रवैया दर्शाया जाता है। जबकि कैदियों के मानवाधिकारों के मद्देनजर इस मामले में संवेदनशील रवैया अपनाया जाना चाहिए। इस समस्या का सबसे बड़ा संकट कर्मचारियों की भारी कमी भी है। विडंबना यह है कि कुछ क्षेत्रों में तो सुधारात्मक कार्यों के लिये स्वीकृत पदों पर रिक्तियां साठ फीसदी तक पहुंच गई हैं। उदाहरण के लिये दिल्ली की जेलें 250 फीसदी से अधिक क्षमता के साथ संचालित की जा रही हैं। एक विसंगति यह भी है कि इन जेलों में वंचित समाज और हाशिये पर गए वर्गों के लोगों की संख्या अधिक है। जो न्याय प्रणाली में गहराई तक जड़ जमा चुकी असमानता को ही दर्शाती है। वहीं दूसरी ओर इस संकट से निबटने के लिये जरूरी राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी नजर आती है। जैसा कि शीर्ष अदालत बार–बार विचाराधीन कैदियों के मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने के निर्देश देती है, उस पर गंभीरता से अमल करने की जरूरत है।

अधिक निवेश से गहन तकनीक को संबल

दिनेश

भारतीय स्टार्टअप्स (नव उद्यमों) के ध्यान के केंद्र को लेकर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा की गई टिप्पणी से शुरू हुई बहस नवाचार और रोजगार सृजन के इर्द–गिर्द घूमती रही। मंत्री जी चाहते हैं कि हमारे स्टार्टअप्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और ग्लोबल लॉजिस्टिक्स जैसे डीप टेक (गहन तकनीकी) क्षेत्रों में काम करें। जिस तरह सरकार स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना चाह रही है, दरअसल, विशाल आकार वाले हमारे उपभोक्ता बाजार से जितने अवसर बन सकते हैं, उसके मद्देनजर यह अपेक्षा करना उचित भी है। हालांकि, जिस स्थिति का बखान मंत्री महोदय ने किया, उसके पीछे की वजहों पर जब तक हम ध्यान नहीं देंगे, तब तक स्टार्टअप्स के लिए उनकी इस उम्मीद पर खरा उतरना मुश्किल होगा। अधिकांश भारतीय स्टार्टअप्स ने नई तकनीकों के अनुप्रयोग और अपनाने में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन बहुत कम स्टार्टअप्स नई तकनीक को विकसित करने, उसका व्यवसायीकरण करने या फिर भारतीय संस्थाओं द्वारा विकसित तकनीकों एवं खोजों को उद्यमशील उपक्रमों में फलीभूत करने का काम कर रहे हैं। प्रौद्योगिकी विकास को मौलिक अनुसंधान, विश्वविद्यालयों के साथ समन्वय और यथेष्ट जनशक्ति की आपूर्ति वाले पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता होती है। भारत ने तकनीकी सेवाओं में अच्छा प्रदर्शन किया है क्योंकि इस क्षेत्र के लिए सुयोग्य इंजीनियरिंग जनशक्ति पर्याप्त मात्रा में थी और इस व्यवसाय में मौलिक शोध की आवश्यकता नहीं पड़ती। देश ने शोध प्रणाली, शिक्षाविदों को साथ जोड़कर और प्रशिक्षित जनशक्ति के साथ जीवन विज्ञान क्षेत्र में ठीक–ठाक प्रदर्शन किया है। विदेशी कंपनियों के आउटसोर्स रिसर्च एंड डेवेलपमेंट केंद्रों में काम करने वाले भारतीय उनके लिए नए उत्पाद और बौद्धिक संपदा विकसित कर रहे हैं। वे ऐसा इसलिए कर पाते हैं क्योंकि वहां उन्हें भरपूर निवेश का फायदा प्राप्त होता है और तमाम जरूरी उपकरण उपलब्ध हैं। डीप टेक क्षेत्र अत्याधुनिक खोजों और उच्च–स्तरीय नवाचार द्वारा संचालित होते हैं, जो आगे चलकर बुनियादी शोध और विश्वविद्यालयों के उन्नयन में गहन और निरंतर निवेश के माध्यम से ही प्राप्त हो सकते हैं। जब देश अपने सकल घरेलू उत्पाद का 1 प्रतिशत से भी कम अनुसंधान और विकास पर खर्च करेगा, तो स्टार्टअप्स से बिल्कुल नई चीजें बनाने की उम्मीद करना अवास्तविक होगा। उदाहरण के लिए, पिछले कुछ वर्षों से भारत में सुर्खियों में रहने वाले डीप टेक विषयों में एक है क्वांटम कंप्यूटिंग। सरकार ने

2031 तक 6,000 करोड़ रुपये (लगभग 735 मिलियन डॉलर) के वित्तपोषण के साथ राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (जिसमें मुख्य ध्यान का केंद्र क्वांटम कंप्यूटिंग पर है) बनाने की घोषणा की है। देखने में यह एक बड़ी राशि लग सकती है, लेकिन अन्य देशों की तुलना में यह कुछ भी नहीं है द्य चीन ने अपनी क्वांटम प्रौद्योगिकी पहल के वास्ते 15 बिलियन डॉलर का सार्वजनिक निवेश आरक्षित कर रखा है। किसी भी क्षेत्र में शोध पत्रों का प्रकाशन मौलिक शोध का एक अन्य महत्वपूर्ण अवयव होता है। चीन का राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान फाउंडेशन क्वांटम कंप्यूटिंग अनुसंधान प्रकाशनों में अपने अमेरिकी समकक्षों से काफी आगे है। हालांकि जब बात पेटेंट की आती है तो आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के अलावा डी–वेव और क्वांटिनम जैसी विशेषज्ञ क्वांटम कंपनियों के पास क्वांटम कंप्यूटिंग से संबंधित पेटेंट बड़ी संख्या में हैं। ये क्वांटम सॉफ्टवेयर स्टैक के मूल स्रोत हैं, जिन पर अन्य कंपनियां निर्भर करती हैं। नतीजतन, इस क्षेत्र में हमारी निर्भरता भविष्य में अंतरराष्ट्रीय कंपनियों पर बढ़ती जाएगी, क्योंकि ऊर्जा से लेकर चिकित्सा तक के क्षेत्रों में समस्याओं के समाधान के लिए डीप टेक का इस्तेमाल पहले से हो रहा है। एक उदाहरण है, नई बैटरी सामग्री की खोज के लिए एआई और उच्च–प्रदर्शन कंप्यूटिंग (हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग) का संयोजन। हैरानी की बात है कि माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित एक एआई मॉडल का उपयोग करके, अमेरिकी ऊर्जा विभाग के पैसिफिक नॉर्थवेस्ट नेशनल लेबोरेटरी के वैज्ञानिक 32 मिलियन संभावित उम्मीदवार सामग्रियों की स्क्रीनिंग करने में सक्षम हुए। वे एक ऐसी नई सामग्री का पता लगा पाए हैं जिसमें लिथियम इलेक्ट्रोलाइट की जरूरत को लगभग 70 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। इस महत्वपूर्ण कार्य का नेतृत्व वैज्ञानिक विजय मुरुगेसन ने किया, जिन्होंने तमिलनाडु के भारथिअर विश्वविद्यालय से पीएचडी की है। यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे डीप टेक नवाचार और उद्योग एवं अनुसंधान संस्थानों के बीच साझेदारी से एक जटिल समस्या का समाधान निकल सकता है। पिछले कई वर्षों से हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग मिशन और एक मजबूत सामग्री वाला विज्ञान समूह भी है, लेकिन हमें अभी तक ऐसा सहयोग और ऐसा परिणाम देखने को नहीं मिला है। अगर मंत्री महोदय ने 2023 में पीएसए विभाग द्वारा तैयार की गई राष्ट्रीय डीप टेक स्टार्टअप नीति के मसौदे को देखने की जहमत उठाई होती, तो हाल ही में स्टार्टअप इवेंट में जो सवाल उन्होंने पूछे, उनका जवाब खुद–ब–खुद मिल जाता। यह नीति, जो अभी तक भी सिर्फ कागजों पर ही है, इसमें 'बुनियादी अनुसंधान एवं विकास को नए सिरे से गति प्रदान करने के लिए अनुसंधान एवं विकास पर सकल व्यय में वृद्धि' का प्रस्ताव दिया गया है, जिससे कि उभरते डीप टेक स्टार्टअप्स के लिए आवश्यक विज्ञान आधार और प्रशिक्षित वैज्ञानिक मानव संसाधन रूपी महत्वपूर्ण बुनियाद को संबल मिल पाए। इसने अकादमिक संस्थानों और शोध प्रयोगशालाओं में मौजूदा शोध मूल्यांकन प्रणालियों में संशोधन का भी सुझाव दिया है, ताकि उत्पन्न ज्ञान को उद्यमशील उपक्रमों में बदला जा सके। इसकी प्राप्ति शोध प्रयोगशालाओं में एक अलग प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण विभाग बनाकर और आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान करके की जा सकती है। इसके अलावा, संकाय सदस्यों को उद्यमशील जोखिम उठाने के लिए प्रोत्साहन दिए जाने की आवश्यकता है। इस तरह, वे या तो अपना खुद का स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं ।

खाद्य और जल सुरक्षा को गंभीर चुनौती

ज्ञानेन्द्र

ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना वैश्विक जलवायु संकट का गंभीर संकेत है। यूनेस्को की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2025 के अनुसार, यदि यह प्रक्रिया यूं ही जारी रही तो इसके परिणाम विनाशकारी होंगे। इससे दो अरब से अधिक लोगों को पानी और भोजन की भारी किल्लत झेलनी पड़ सकती है। ग्लेशियर पृथ्वी के जल चक्र को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, और इनके पिघलने से नदियों का अस्तित्व संकट में पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और पर्वतीय क्षेत्रों में घटती बर्फबारी पूरी दुनिया की खाद्य और जल सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। दुनिया में मौजूद 2.75 लाख से अधिक ग्लेशियरों का सात लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, सभी 19 ग्लेशियर क्षेत्रों में लगातार तीन वर्षों से नुकसान देखा गया है, जिनमें नार्वे, स्वीडन और स्वालबार्ड जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हैं। कोलोराडो नदी का सूखना इस संकट की भयावहता को दर्शाता है। यूनेस्को के अनुसार, दुनिया के 70 फीसदी पेयजल का स्रोत ग्लेशियर ही हैं और इनके विलुप्त होने से जल संकट और भी विकराल हो सकता है। नासा और नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के शोध के अनुसार वर्ष 2010 से अब तक आर्कटिक और अंटार्कटिका की बर्फ में लाखों वर्ग किलोमीटर की कमी आ चुकी है। वर्तमान में वहां केवल 143 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ शेष रह गई है, जो 2017 के रिकॉर्ड निचले स्तर से भी कम है। वर्ष 2000 से 2023 के बीच ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से हर साल करीब 270 अरब टन बर्फ पिघल रही है, जो वैश्विक आबादी द्वारा 30 वर्षों में उपयोग किए जाने वाले पानी के बराबर है। नासा के वैज्ञानिक लिनेन बोइसवर्ट के अनुसार, अगली गर्मियों में और भी कम बर्फ बचने की आशंका है। इसका मुख्य कारण मानवीय गतिविधियों द्वारा तापमान में हुई वृद्धि है, विशेषकर जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से। जैसे–जैसे वैश्विक तापमान बढ़ता है, ग्लेशियर बनने की तुलना में कहीं अधिक तेजी से पिघलते हैं, जिससे उनका अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। यह संकट केवल बर्फ के खत्म होने का नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व पर मंडराते खतरे का संकेत है। सरकारी रिपोर्टों और वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण अलग–अलग दरों से तेजी से पिघल रहे हैं। यह न केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत है, बल्कि दक्षिण एशिया की लगभग 160 करोड़ आबादी के लिए जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ा रहा है। करीब 33,000 वर्ग किलोमीटर में फैले ये ग्लेशियर ताजे पानी के विशाल भंडार हैं, जिन पर गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों की जलापूर्ति निर्भर करती है। इन्हें 'एशिया की जल मीनार' और 'दुनिया का तीसरा ध्रुव' कहा जाता है। बीते 40 वर्षों में 440 अरब टन बर्फ हिमालय से पिघल चुकी है, और केवल वर्ष 2010 में ही 20 अरब टन बर्फ का नुकसान हुआ। यह स्थिति और भी चिंताजनक तब हो जाती है जब वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि यदि वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो सदी के अंत तक एक–तिहाई और यदि यह वृद्धि 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचती है तो दो–तिहाई हिमालयी ग्लेशियर समाप्त हो सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने चेतावनी दी कि नेपाल के पहाड़ों से एक–तिहाई बर्फ पहले ही खत्म हो चुकी है। भारत और चीन जैसे प्रमुख कार्बन उत्सर्जकों के बीच बसे इस क्षेत्र में नेपाल के ग्लेशियर 65 फीसदी तक पिघल चुके हैं, और अगर यही हाल रहा तो हिंदूकुश–हिमालय क्षेत्र के 75 फीसदी ग्लेशियर इस सदी के अंत तक नष्ट हो सकते हैं।

.... विविध ....

दिल का हाल बयां करती हैं आंखें, इन 4 संकेतों को न करें इग्नोर

हार्ट अटैक, जिसे दिल का दौरा भी कहा जाता है, अचानक होने वाली एक गंभीर स्थिति है। अक्सर लोग इसके लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और जब तक यह होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, हार्ट अटैक आने से पहले शरीर कुछ संकेत देने लगता है, जो अगर समय रहते पहचान लिए जाएं, तो बड़ा खतरा टाला जा सकता है। खास बात यह है कि हमारी आंखें 30 दिन पहले ही हार्ट अटैक का संकेत दे सकती हैं। आइए जानते हैं इस विषय में विस्तार से।

हार्ट अटैक के चार मुख्य संकेत जो आंखें देती हैं

पलकों में पीलापन या सफेद दाग

आंखों की पलकों के आसपास पीलापन या सफेद रंग के धब्बे बनने को चिकित्सकीय भाषा में जैंथेलेस्मा कहा जाता है। यह स्थिति शरीर में बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल का संकेत देती है, जो हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ा सकता है। जैंथेलेस्मा आमतौर पर आंखों के पास छोटी–छोटी चर्बी की परतों के रूप में दिखता है। ये परतें हृदय की धमनियों में रुकावट का संकेत देती हैं, जो हार्ट अटैक जैसी गंभीर स्थिति का कारण बन सकती हैं। अगर आपको ऐसे लक्षण नजर आते हैं, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाएं।

पुतलियों का रंग बदलना

आंखों की पुतलियों के आसपास ग्रे या सफेद रिंग (चक्र) बनना भी हृदय संबंधी समस्याओं का संकेत हो सकता है। इसे आर्कस साइनिलिस कहा जाता है। यह रिंग बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल का संकेत है और यह रक्त धमनियों में फैटी डिपॉजिट्स की ओर इशारा करता है। यह स्थिति अक्सर उन लोगों में देखी जाती है जो उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, या मोटापे से जूझ रहे होते हैं। यह चक्र धीरे–धीरे बड़ा होता है और इसे नजरअंदाज करना हृदय रोगों का खतरा बढ़ा सकता है। अगर यह लक्षण दिखाई दे, तो हृदय विशेषज्ञ से सलाह लें।

आंखों में धुंधलापन या झनझनाहट

अगर आपकी आंखों के सामने बार–बार धुंधलापन, ब्लर दिखना, या झनझनाहट महसूस हो रही है, तो यह हार्ट अटैक का शुरुआती संकेत हो सकता है। यह समस्या तब होती है जब दिल से जुड़े रक्त संचार में गड़बड़ी होती है। यह लक्षण खासतौर पर उन लोगों में दिखाई देता है जो नियमित व्यायाम नहीं करते, अधिक तनाव लेते हैं, या जिनका खानपान असंतुलित है। ऐसे मामलों में रक्त प्रवाह सही से आंखों तक नहीं पहुंच पाता, जिससे यह समस्या होती है। अगर यह लक्षण बार–बार हो रहा हो, तो इसे हल्के में न लें।

आंखों में बार–बार सूजन या लालिमा

आंखों में बार–बार सूजन या लालिमा आना भी हार्ट अटैक का एक बड़ा संकेत हो सकता है। यह समस्या तब होती है जब शरीर में फ्लूइड रिटेंशन बढ़ जाता है, जो हृदय की सही पंपिंग न होने की वजह से होता है। सूजन और लालिमा आमतौर पर आंखों के नीचे अधिक दिखाई देती है और यह रक्तचाप या हृदय की कार्यक्षमता में कमी का इशारा करती है। इसके साथ–साथ आंखों में जलन या भारीपन भी महसूस हो सकता है। अगर यह लक्षण लंबे समय तक रहे, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

हार्ट अटैक का कारण बनने वाले अन्य सामान्य लक्षण

हार्ट अटैक के लक्षण केवल आंखों तक सीमित नहीं रहते। कुछ अन्य सामान्य संकेत इस प्रकार हैं–

1. सीने में भारीपन या दर्द
2. बांह, गर्दन, या जबड़े में दर्द
3. सांस लेने में तकलीफ
4. पसीना आना और थकान
5. अचानक चक्कर आना या मतली

इन संकेतों को नजरअंदाज न करें

अक्सर लोग इन लक्षणों को सामान्य समस्या समझकर अनदेखा कर देते हैं। लेकिन यह लक्षण हृदय रोग या हार्ट अटैक की चेतावनी हो सकते हैं। अगर इनमें से कोई भी लक्षण आपको लगातार महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

हार्ट अटैक से बचने के उपाय

स्वस्थ आहार लें

कोलेस्ट्रॉल और ट्रांस फैट से बचें। ताजे फल, सब्जियां और साबुत अनाज खाएं। मछली, मेवे और दिल के लिए फायदेमंद फैट का सेवन करें।

नियमित व्यायाम करें– हर दिन 30 मिनट तेज चलना या हल्का व्यायाम करना हृदय को मजबूत बनाता है।

तनाव से बचें– तनाव दिल की बीमारियों का बड़ा कारण है। योग और मेडिटेशन से इसे नियंत्रित करें।

धूम्रपान और शराब से बचें– धूम्रपान और अधिक शराब पीना हृदय के लिए हानिकारक हो सकता है।

चेकअप कराएं– नियमित रूप से हृदय का चेकअप कराएं।

ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाएं। हार्ट अटैक आने से पहले शरीर कुछ संकेत देता है। अगर इन लक्षणों को समय पर पहचान लिया जाए और डॉक्टर से सलाह ली जाए, तो हार्ट अटैक को रोका जा सकता है।

आपका बच्चा भी नहीं बैठता टिक कर तो वो हो सकता है ADHD का शिकार

आपका बच्चा बहुत ज्यादा शरारती है, समय पर सोता नहीं और अक्सर बिना सोचे समझे रिएक्ट कर देता है तो आपको सावधान होने की जरूरत है। क्योंकि ये सारे लक्षण ADHD के भी हो सकते हैं। जी हां, एक न्यूरोलॉजिकल (मस्तिष्क से जुड़ी) स्थिति है, जो आमतौर पर बच्चों में देखी जाती है। इस स्थिति में बच्चा बहुत ज्यादा चंचल, असावधान और अक्सर बिना सोचे कार्य करने वाला होता है।

बच्चों में यानी अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर, बच्चों में होने वाली एक न्यूरो डिवेलपमेंटल यानी मस्तिष्क के विकास से जुड़ी मानसिक स्थिति है। इसमें बच्चा सामान्य बच्चों की तुलना में अधिक चंचल, ध्यान भटकने वाला और बिना सोचे–समझे कार्य करने वाला हो सकता है। वे अक्सर स्कूल में ध्यान न दे पाने, पढ़ाई में पिछड़ने और सामाजिक रिश्तों में परेशानियों का सामना करते हैं। कुछ बच्चे जरूरत से ज़्यादा बातें करते हैं, हर समय एक्टिव रहते हैं और अपनी बारी का इंतजार नहीं कर पाते। यह समस्या बचपन में शुरू होती है और अगर समय रहते इलाज न हो तो यह किशोरावस्था या वयस्कता तक भी बनी रह सकती है।

ADHD के लक्षण कैसे पहचानें?

1. Inattention (ध्यान की कमी)

बच्चा छोटी–छोटी बातों में ध्यान खो देता है।

स्कूल का काम या होमवर्क अधूरा छोड़ देता है।

बार–बार पेन, किताबें जैसी चीजें खो देता है।

बात सुनते हुए भी ऐसा लगता है जैसे वह कहीं और है।

2. (अत्यधिक सक्रियता)

एक जगह शांत नहीं बैठ पाता।

बार–बार दौड़ता है, उछलता–कूदता है।

बहुत तेज बोलता है या बिना रुके बोलता जाता है।

किसी भी स्थिति में संयम नहीं रख पाता।

3 (बिना सोचे–समझे प्रतिक्रिया)

बात बीच में काट देता है।

बारी का इंतजार नहीं करता।

अचानक गुस्सा, रोना या जोर से प्रतिक्रिया देना।

कारण क्या हो सकते हैं?

इस समस्या के पीछे कई तरह के कारण हो सकते हैं। जैसे कि मस्तिष्क की संरचना में बदलाव, ऐसे स्थिति में मस्तिष्क के कुछ हिस्सों की गतिविधि कम हो सकती है। इस समस्या का कारण मस्तिष्क में रासायनिक संतुलन का बिगड़ना हो सकता है, जिसमें डोपामिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर शामिल हैं। यह स्थिति जन्मजात भी हो सकती है या फिर समय के साथ भी विकसित हो सकती है।

अनुवांशिकता भी एक बड़ा कारण हो सकता है। परिवार में किसी को हो तो जोखिम बढ़ जाता है।

गर्भावस्था में नशा या दवाइयों का दुरुपयोग भी इसके खतरे को बढ़ा देता है। इससे भ्रूण के मस्तिष्क को नुकसान पहुंच सकता है।

खानपान की गुणवत्ता का भी इसका सीधा असर दिखता है। फूड कलर (Red 40, Yellow 5), ज्यादा चीनी, जंक फूड ये भी इस समस्या का बड़ा कारण है और इस समस्या को बढ़ा भी सकते हैं।

किन बच्चों को ADHD हो सकता है?

इस समस्या के ज्यादातर लक्षण 4 से 12 साल की उम्र के बच्चों में दिखते हैं और लड़कियों के मुकाबले लड़कों में यह समस्या अधिक देखने को मिलती है।

1. जिनके परिवार में किसी को मानसिक बीमारी रही हो।

2. समय से पहले जन्मे या कम वजन वाले बच्चों को हो सकती है।

बच्चों का भी स्पअमत हो सकता है Fatty इसलिए ये लक्षण इग्नोर ना करें

पेरेंट्स का ये बात ध्यान में रखना बहुत जरूरी

ADHD कोई बच्चा जानबूझ कर ऐसा नहीं करता, यह एक मस्तिष्क से जुड़ी स्थिति है। समय पर इलाज और सही परवरिश से बच्चा सामान्य जीवन जी सकता है। माता–पिता का धैर्य, समझ और प्यार सबसे बड़ी दवा है।

सही समय पर पहचान और उपचार से बच्चों को सामान्य जीवन जीने में मदद की जा सकती है। उपचार में व्यवहारिक थेरेपी, काउंसलिंग और कुछ मामलों में दवाएं भी शामिल होती हैं।

जरूरत पड़ने पर वो आपके लिए जान भी दे सकते हैं

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शनिवार को दिलकुशा में दिवंगत पत्रकार कमाल खान की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कॉमेडियन जाकिर खान ने भी हिस्सा लिया। पत्रकार कमाल खान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि कमाल खान जैसे लोगों

से लखनऊ की पहचान और बड़ी हुई है। इस मौके पर उन्होंने किस्सागो हिमांशु बाजपेयी से बातचीत की। बातचीत में उन्होंने कहा कि जादू जैसी शै पर इसलिए यकीन है कि दुनिया में दोस्ती जैसी नेमत है। दोस्त आपके अच्छे–बुरे दिनों के साथी और दिल का मरहम ही नहीं, जरूरत पड़ने पर वो आपके लिए जान भी दे सकते हैं। बाशिदों के संस्कार और तहजीब से उस शहर की पहचान का पता लगता है। लखनऊ को जानना हो तो वहां के लोगों को जानिए। लखनऊ के लोगों ने इस शहर को दुनिया में मशहूर किया है। जाकिर खान ने हल्के–फुल्के अंदाज में बात करते हुए कहा कि घर की महिलाएं जानबूझ कर दुनिया के सामने अपने पति की सख्त इमेज गढ़ती हैं। इसके बाद महिलाएं हर बात पर कहती हैं– उनसे पूछकर बताती हूं और खुद ही सारा फैसला करती हैं, पति बेचारे को कुछ पता ही नहीं होता। यह उनका सबसे बड़ा स्कैम है। इस पर दर्शकों के ठहाके लगे। चुटीले अंदाज में उन्होंने जॉइंट फैमिली में होने वाले रोजमर्रा के खींचतान वाली कहानियां सुनाकर लोगों को लोटपोट किया। इंदौर से मुंबई शिफ्ट होने और नए घर पर लोगों की अड्डेबाजी की कहानी सुनाई। कहा कि अपने शहर को छोड़ जाने की टीस दिल में हमेशा जिंदा रहती है। मजहर फारुकी के आगाज फाउंडेशन और कमाल फाउंडेशन की ओर से कार्यक्रम में शहर के छह होनहार बच्चों को जाकिर हुसैन और हिंमाशु बाजपेयी के हाथों 50 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी गई। इसमें लविवि की छात्रा शुभी त्रिपाठी के अलावा मौ. कैफ, बिलाल मंसूरी, प्रांजल यादव, सौम्या यादव, फैज हसन शामिल रहे। दिवंगत पत्रकार कमाल खान को उनकी पत्नी रुचि, वरिष्ठ पत्रकार शरत प्रधान, सामाजिक कार्यकर्ता दीपक कबीर व ज्योत्सना आदि ने दीप जलाकर श्रद्धांजलि दी। कबीर की रचनाओं साधौ जग दर्शन का मेला, हमन है इश्क मस्ताना... पर कलाकारों ने सूफी नृत्य पेश किया। इसके बाद पर्दे पर पत्रकार कमाल खान की चुनिंदा रिपोर्ट दिखाई गईं, जिसे देखकर कई मौकों पर दर्शक भावुक होकर रोते नजर आए। मौके पर सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, प्रसार भारती बोर्ड के चेयरमैन नवनीत सहगल, वंदना सहगल, वरिष्ठ पत्रकार सुधीर मिश्र समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रक्षामंत्री से मिला व्यापारियों का प्रतिनिधि मंडल, व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन सहित रखी ये मांगे

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आईआईएम रोड स्थित महर्षि विश्वविद्यालय में हुआ। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान व्यापारी नेता अशोक मोतियानी और अनिल बजाज के नेतृत्व में व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मंडल रक्षामंत्री से मिला। उन्हें अपनी समस्याएं बताईं। व्यापारियों ने अपनी समस्याओं की लिस्ट का एक ज्ञापन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपा। इसमें उन्होंने कई मांगें रखीं। कहा कि लखनऊ को बिजली कटौती से मुक्त किया जाना चाहिए। बिजली कटौती से काफी परेशानी होती है। आए दिन मरम्मत के नाम पर पांच–पांच घंटे तक बिजली बंद कर दी जाती है। इससे व्यापार प्रभावित होता है। साथ ही प्रमुख बाजारों में बिजली के तारों का मकड़जाल होने से हादसों का अंदेशा बना रहता है। इसे तुरंत हटाया जाना चाहिए। इसके अलावा व्यस्त बाजारों में फायर

से संबंधित इंतजाम पुख्ता होने चाहिए। अमीनाबाद जैसे बड़े बाजारों में फायर विभाग की एक अतिरिक्त गाड़ी मौजूद रहनी चाहिए। नगर निगम द्वारा व्यस्त बाजारों में ठंडे पानी की मशीनें लगाई जानी चाहिए। ताकि, आने जाने वाले ग्राहकों को पीने का पानी उपलब्ध रहे। इसके साथ ही व्यापारियों ने व्यापारी कल्याण बोर्ड के जल्द ही गठन की मांग की। ताकि, व्यापारियों की समस्याएं बोर्ड के माध्यम से सरकार तक पहुंचाई जा सकें। इस मौके पर ये लोग रहे मौजूद व्यापारियों की समस्याएं सुनकर रक्षामंत्री ने बिजली विभाग के अधिकारयों को निर्देशित करने की बात कही। प्रतिनिधिमंडल में उतर प्रदेश कपड़ा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष अशोक मोतियानी, महामंत्री अनिल बजाज, अमित तलवार, प्रभु जालान, श्याम कृषनानी, पुनीत लाल चंदानी, सुशील गुरनानी जितेंद्र अरोड़ा सहित अन्य लोग शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

एक देश, एक चुनाव भारत को देगा नई दिशा – बांसुरी स्वराज

लखनऊ, (संवाददाता)। लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि एक देश एक चुनाव का विजन देश को नई दिशा देने वाला कदम है। जो भारत के साधन, संसाधन, धन, परिश्रम और ऊर्जा को संचित करेगा। इससे देश में नीतियों का क्रियान्वयन सुचारू रुप से किया जा सकता है। बांसुरी स्वराज शनिवार को राजेंद्रनगर स्थित नवयुग कन्या महाविद्यालय में एक देश, एक चुनाव विषय पर आयोजित परिचर्चा में छात्राओं को संबोधित कर रही थीं। राजनीति शास्त्र विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सांसद ने प्राध्यापिकाओं, छात्राओं और महिला मोर्चा की सदस्यों के साथ संवाद किया। उन्होंने उन सभी लोगों से इस विषय के संबंध में विचार सरकार तक पहुंचाने आहवान किया, जिससे इसे बेहतर समन्वय के साथ देश में लागू किया जा सके। प्राचार्य प्रो. मंजुला उपाध्याय, विभागाध्यक्ष डॉ. गीताली रस्तोगी, प्रो. ज्योत्सना गौतम, असिस्टेंट प्रोफेसर दीक्षा ने विचार का समर्थन किया। अध्यक्षता महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष सीता नेगी ने की। भाजपा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रंजना उपाध्याय सहित अन्य शिक्षिकाएं व उपस्थित रहीं।

संगोष्ठी में विधि विशेषज्ञों ने किया मंथन

लखनऊ, (संवाददाता)। चिनहट स्थित मां वैष्णो देवी एजुकेशनल लॉ कॉलेज में संगोष्ठी में विधि विशेषज्ञों ने विचार रखे। आरएमएल विवि के कुलपति डॉ. अमर पाल सिंह ने युवाओं को आगे बढ़कर चुनौतियों का सामना करने और देश का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया। मानवाधिकारों की बारीकियों को बयां करती किताब ह्यूमन राइट डाइमेंशन एंड प्रस्पेक्टिव का विमोचन किया गया।

महिला सदस्यों को मिला सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। मारवाड़ी युवा मंच की ओर से गोमतीनगर स्थित महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल के मधुर सभागार में शनिवार को संगिनी कार्यक्रम आयोजित हुआ। शाखा अध्यक्ष दीप्ति मित्तल ने शुरुआत बीते वर्ष की गतिविधियों से की। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। बाराबंकी शाखा की अध्यक्ष अंजना जैन और वर्षा जैन ने जूली टेकरीवाल, स्मिता, नेहा, सौम्य, हिमांशी को पुरस्कृत किया। अवसर पर विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. जया दिनेश शर्मा ने सक्रिय सदस्यों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में शाखा सचिव नीलू, कोषाध्यक्ष वर्षा, जूली, सीमा, अनीता, राधिका व प्रीति थीं।

दिवंगत अधिवक्ताओं के 13 बच्चों को दी छात्रवृत्ति

लखनऊ, (संवाददाता)। संस्था अधिवक्ता कल्याणकारी एसोसिएशन ने शनिवार को दिवंगत वकीलों के 13 बच्चों को पढ़ाई में सहयोग के लिए छात्रवृत्ति दी। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अब्दुल मोईन ने चेक दिया। संस्थापक अधिवक्ता ज्ञान सिंह ने बताया कि सेंट्रल बार एसोसिएशन के सभागार में हुए कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला थे। तुशी सिंह, यश गोस्वामी, वेदिका शुक्ला, ईशानी यादव, दीक्षा चंद्रा, आस्था शुक्ला, वैशाली सिंह, अशित शुक्ला, दीपिका सिंह, अभिनव दर्शन, तनिष्का श्रीवास्तव, सानिया रिजवी, अभिनव दर्शन और वर्तिका सिंह को छात्रवृत्ति दी गई। मीडिया प्रभारी ने बताया कि मदद पाने वाले तीन छात्र बीटेक और एक मेडिकल की पढ़ाई कर रहा है। संस्था ने वरिष्ठ अधिवक्ता श्रवण कुमार श्रीवास्तव को सम्मानित किया। जनपद न्यायाधीश श्रीमती बबीता रानी व न्यायिक अधिकारी व अधिवक्ता मौजूद रहे।

जिसने उपभोक्ताओं का बकाया दबाया, उसी कंपनी का अभियंता बना निदेशक

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ में उपभोक्ता परिषद की ओर से शनिवार को आयोजित वेबिनार में प्रदेशभर से जुड़े उपभोक्ताओं ने निगमों पर बकाया चल रहे 33122 करोड़ लौटाने की मांग की। साथ ही आरोप लगाया कि दक्षिणांचल में टोरेंट कंपनी पर 2221 करोड़ रुपया पॉवर कॉर्पोरेशन का बकाया है। अब दक्षिणांचल का निदेशक (वित्त) जिसे बनाया गया, वह टोरंट से ही आया है। ऐसे में कॉर्पोरेशन को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। कमेटी की रिपोर्ट पर टोरेंट पावर कंपनी को निर्देश दिया गया कि पुराना बकाया करीब 2221 करोड़ रुपया वसूल कर पावर कार्पोरेशन को दिया जाए। इसके लिए तीन साल का वक्त दिया गया था, लेकिन ये रुपये अभी तक कार्पोरेशन को नहीं लौटाया गया। अब टोरेंट पावर के अधिकारी को पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने निदेशक के रूप में चुन लिया है और उसे दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम का निदेशक (वित्त) बना दिया है। उपभोक्ताओं ने कहा कि ऐसे में आशंका है कि संबंधित निदेशक अपनी पुरानी कंपनी के लिए कार्य करेगा और अपनी पत्रावलियों को वहां पहुंचकर टेम्परिंग कर देगा या उसमें हेराफेरी कर देगा। ऐसे में उर्जा क्षेत्र में एक बड़ा घोटाला हो सकता है। परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने सभी उपभोक्ताओं का पक्ष सुनने के बाद कहा कि जो भी सवाल उठाए गए हैं अथवा सुझाव आए हैं, उसे कार्पोरेशन प्रबंधन से लेकर शासन तक पहुंचाया जाएगा।

गरीब मुसलमानों के जीवन को बेहतर बनाने का भी सुझाव दिया

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री राधा मोहन दास अग्रवाल ने शनिवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियों के लिए मुतवल्ली बनाए गए अधिकांश लोग मालिक बन गए। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि वक्फ संपत्तियां अल्लाह को दी गई हैं। ये कभी बेची नहीं जा सकतीं, ना उनके स्वरूप में बदलाव किया जा सकता है। इसके बाद भी मुतवल्लियों ने वक्फ संपत्तियों पर या तो अपना नाम चढ़ा लिया या अपने परिवार व नजदीकी लोगों के नाम चढ़वा दिए। स्थिति यह है कि जिन संपत्तियों का किराया एक लाख हो सकता था, उन्हें 5000 के किराये पर दे दिया। कुछ राशि काले धन के रूप में चुपचाप ले ली गई। इस मौके पर उन्होंने सच्चर कमेटी द्वारा वक्फ संपत्तियों के बारे में दी गई रिपोर्ट के कुछ बिंदुओं की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में चार लाख 50 हजार वक्फ संपत्तियां हैं, जिसमें वक्फ जमीन का कुल रकबा छह लाख एकड़ है। अगर इनका उपयोग ठीक से किया जाता है तो 10 प्रतिशत के हिसाब से सालाना 12 हजार करोड़ रुपये की आय होती। लेकिन, मौजूदा समय में सिर्फ 163 करोड़ रुपये की आय हो रही है। उन्होंने कहा कि सच्चर कमेटी ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार से मुतवल्लियों और भ्रष्ट अधिकारियों को निलंबित करने के साथ ही संपत्तियों को कब्जा से मुक्त कराने है।

सुबह रिवर फ्रंट पर टहलते हुए लगाया व्हाट्सएप स्टेटस

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ में शनिवार को निजी फाइनेंस कंपनी की कर्मचारी आराधना मिश्रा (26) गोमती नदी में गिर गईं। डूबने से उनकी मौत हो गई। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। वह मूल रूप से बहराइच के रंजीतपुर की रहने वाली थीं। घटना गौतमपल्ली थाना क्षेत्र की है। मृतका के भाई दीपक के मुताबिक, आराधना चिनहट के कमता में रूममेट अनु के साथ रहती थीं। वह निजी फाइनेंस कंपनी में काम करती थीं। उन्हें मिर्गी के दौरे आते थे। रूममेट ने बताया कि सुबह सात बजे आराधना कैब बुक कर रिवर फ्रंट गई थीं। वह गोमती किनारे खड़ी होकर नीचे देख रही थीं। तभी अचानक वह नदी में गिर गईं। गोताखोरों ने आराधना को बाहर निकाला, पर तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने उनके पास से मिले मोबाइल से परिजनों को घटना की जानकारी दी। अनु के मुताबिक आराधना ने रिवर फ्रंट के पास टहलने का स्टेटस भी लगाया था। इसमें उन्होंने लवली मॉर्निंग लिखा था। परिवार में पिता बृजराज मिश्र, मां और एक और भाई हर्षित है। दीपक ने बताया कि बहन की रिश्ते की बात चल रही थी।

संक्षिप्त समाचार

जीएचआरडीसी सर्वेक्षण में लविवि का विधि संकाय प्रदेश में अव्वल

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने ग्लोबल ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर (जीएचआरडीसी) की ओर से जारी लॉ इंस्टीट्यूट सर्वेक्षण 2025 में उत्कृष्ट श्रेणी में स्थान हासिल किया है। संकाय ने प्रदेश में पहला, राष्ट्रीय स्तर पर 10वां और उत्तर भारत में दूसरा स्थान हासिल किया है। विधि संकायाध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि जीएचआरडीसी वार्षिक रैंकिंग के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान प्रकाशन, बुनियादी सुविधाएं, प्लेसमेंट रिकॉर्ड और उद्योग से संबंध जैसे मानकों को परखा जाता है। इसमें लविवि ने शैक्षणिक उत्कृष्टता में 203.67, अनुसंधान प्रकाशन में 160.27 और प्लेसमेंट में 145.47 अंक प्राप्त किए हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यह उपलब्धि हमारे संकाय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान में निरंतरता और प्लेसमेंट रिकॉर्ड के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है।

श्रेयस ने हासिल किए 100 पर्सेंटाइल

लखनऊ, (संवाददाता)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित जेईई मेन 2025 के दूसरे चरण का परिणाम शुक्रवार देर रात जारी कर दिया। इसमें राजधानी के श्रेयस लोहिया ने पहले चरण की तरह एक बार फिर 100 पर्सेंटाइल हासिल किए। जेईई मेन सत्र एक और दो की परीक्षा में कुल 25 विद्यार्थियों ने 100 पर्सेंटाइल हासिल किए हैं। इनमें यूपी से श्रेयस लोहिया, कुशाग्र बेंग्या और सौरभ हैं। 50 से ज्यादा छात्रों ने 99 से अधिक पर्सेंटाइल हासिल किया है। इनमें लखनऊ के उत्कर्ष रावत के अलावा अथर्व गुप्ता, यश पुरवार, तटष्थ मिश्रा, निशिथ, शौर्य गुप्ता, प्रहर्ष चतुर्वेदी, प्रवीर सिंह, अजितेश श्रीवास्तव, प्रांजल सिंह, आदर्श, ऋषभ अग्रवाल, वैभव बंसल, मो. सालिम, समीर यादव, शिवांशी पटेल, नयन गुप्ता, राजकमल, अमरेंद्र शर्मा, रोहिता विश्वकर्मा, कृष्णा गुप्ता, लक्ष्य गोस्वामी, सौरभ गुप्ता आदि हैं।

किशोर पर नाबालिग चचेरी बहनों से दुष्कर्म का आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में 14 साल के किशोर पर दो नाबालिग चचेरी बहनों से दुष्कर्म का आरोप लगा है। पीड़ित बहनों की मां का आरोप है कि शिकायत करने पर पुलिस ने जबरन समझौता करा दिया। शनिवार को बच्चियों की मां ने पुलिस अधिकारियों से मिलकर मामले की शिकायत की। अधिकारियों ने पुलिस को फटकार लगाते हुए कार्रवाई का आदेश दिया। एडीसीपी उत्तरी जितेंद्र कुमार दुबे ने बताया कि केस दर्ज कर किशोर को पकड़ लिया गया है। मामला बीकेटी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है। महिला के अनुसार 11 अप्रैल को उनकी छह व नौ साल की बेटियां घर के बाहर खेल रही थीं। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले पट्टीदार का नाबालिग बेटा वहां पहुंचा और बहाने से दोनों को अपने नए घर ले गया। वहां दोनों के साथ दुष्कर्म किया और भाग गया। घर पहुंचकर बेटियों ने आप बीती बताई। बच्चियों की मां आरोपी के घर पहुंची और पूछताछ की तो उसने गाली–गलौज की। बच्चियों की मां का आरोप है कि शिकायत पर पुलिस ने किशोर व उसके परिजनों को बुलाया और धमकाते हुए समझौता करा लिया। थाने से लौटने के बाद किशोर के परिजनों ने महिला को धमकाते हुए मकान खाली करने के लिए कहा। आरोप है कि धमकी की शिकायत पुलिस से की थी, पर मामला सिफर रहा था।

अनियंत्रित होकर सड़क पर फिसली बाइक, देवर-भाभी की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बलरामपुर में रविवार की तड़के मेला देखकर लौटते समय बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गए। हादसे में देवर–भाभी की मौत हो गई। जबकि दो बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना से घर में चीख पुकार मची है। हादसा जरवा थाना क्षेत्र के तुलसीपुर–बघेलखंड मार्ग पर चौहत्तर कला गांव के पास हुआ। क्षेत्र के कटकुइयां गांव निवासी बाबूराम ने बताया कि शनिवार की रात करीब 9.30 बजे तीन बाइक व एक ई–रिक्शा से गांव के करीब 15 लोग तुलसीपुर स्थित शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर मेला देखने गए थे। वहां गांव निवासी संजय यादव (22) पुत्र प्रभुलाल अपनी भाभी सुनीता यादव (25) पत्नी सियाराम और सुनीता की दो बेटियां छह वर्षीय सुप्रिया यादव व डेढ़ वर्षीय संजना यादव के साथ बाइक से मेला देखने गया था। मेला से गांव वापस लौटते समय रविवार की सुबह करीब तीन बजे चौहत्तर कला के पास बाइक सड़क पर बने डिप के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में संजय व सुनीता की मौके पर ही मौत हो गई। बेटियां सुप्रिया व संजना गंभीर रूप से घायल हैं। उनकी हालत गंभीर होने पर जिला मेमोरियल अस्पताल के लिए रेफर किया गया है।

क्वीन मेरी अस्पताल में बच्चा बदलने का आरोप हंगामा दंपती ने डीएनए जांच कराने की रखी मांग

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग (क्वीन मेरी अस्पताल) में बच्चा बदलने के आरोप में शनिवार को हंगामा हो गया। लखनऊ निवासी दंपती का दावा था कि उनको बेटा हुआ, लेकिन उसे बदलकर बेटी दे दी गई। वहीं, केजीएमयू प्रशासन ने आरोप को सिरे से नकार दिया है। क्वीन मेरी में शनिवार को दंपती ने आरोप लगाया कि उनको बेटा हुआ था, लेकिन उसे बदल दिया गया। अस्पताल कर्मियों ने उनको समझाने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बनी। इससे हंगामा और बढ़ गया, पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे।

किशोरी समेत चार लोगों ने की आत्महत्या, कोई फंदे से झूला तो किसी ने खाया जहरीला पदार्थ

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ में खराब कपड़ा सिलने पर पड़ी डांट से आहत होकर बंथरा के ज्ञानपुर निवासी सलोनी (18) ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली। वहीं बिजनौर के मौलवीखेड़ा गांव में रहने वाले सोनू (45) ने बीती रात घर में फंदा लगा लिया। आत्महत्या का कारण पता नहीं चल सका है। इसके अलावा सरोजनीनगर के हाइडिल कॉलोनी निवासी कैटर्स सोनू (35) ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। वहीं विकासनगर के सेक्टर–एम निवासी प्राइवेट चालक मिथिलेश कुमार (33) ने पत्नी से फोन पर झगड़े के बाद फंदा लगा लिया। सलोनी ने बीते साल इंटर की परीक्षा पास की थी और घर पर रहकर सिलाई का काम करती थी। पिता सुनील ने बताया कि पत्नी आरती ने शुक्रवार को सलोनी को खराब कपड़े सिल देने पर डांटा था। इससे आहत वह चुपचाप खेत पहुंची और कीटनाशक पी लिया था। पिता सुनील खेती किसानी करते हैं और दो भाई अमन व सौरभ हैं। मूलरूप से निगोहां के मदीखेड़ा निवासी मजदूर सोनू 20 वर्षों से परिवार संग ससुराल बिजनौर के मौलवी खेड़ा में गांव से बाहर घर बनाकर रहते थे। परिजनों के अनुसार शुक्रवार रात सोनू कमरे में सो रहा था। देर रात तीन बजे आंधी आने पर परिजन कमरे में पहुंचे तो सोनू को पंखे में साड़ी के सहारे लटका देखा। वह शराब पीने का आदी था। परिवार में पत्नी रमावती और पांच बेटियां व एक बेटा है। सरोजनीनगर की हाइडिल कॉलोनी निवासी सोनू के भाई अभिषेक ने बताया कि शुक्रवार रात भाई सोनू गोदाम से नहीं लौटे। वह उनको देखने गोदाम पहुंचे तो वहां सोनू मरणासन्न पड़े मिले। लोकबंधु अस्पताल में उनकी मौत हो गई। परिवार में पत्नी सुमन व दो बच्चे हैं। अभिषेक ने बताया कि सोनू ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी है। मूलरूप से हरदोई निवासी मिथिलेश कुमार की पत्नी रेखा के मुताबिक छह महीने पहले शराब पीने की लत के चलते वह अलीगंज के शेखपुरा स्थित मायके में तीन बच्चों के साथ रह रही थीं। शुक्रवार देर शाम पति ने शराब के नशे में फोन किया। कहासुनी के बाद मिथिलेश ने फोन काट दिया। शनिवार सुबह बच्चों को स्कूल छोड़ने के बाद वह पति को खाना देने उनके घर पहुंची तो भीड़ लगी थी।

25 जिलों में वज्रपात और आंधी की चेतावनी ऑरेंज अलर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में बदले हुए मौसम के बीच शनिवार को 30 से ज्यादा जिलों में तेज हवा संग बूंदाबांदी हुई। इस बेमौसम आंधी–बारिश से खेत में खड़ी फसलों को काफी नुकसान पहुंचा। तेज रफ्तार हवाओं से आम की बौर को भी क्षति पहुंची है। मुरादाबाद में तो झोंकेदार हवाओं की रफ्तार 75 किलोमीटर प्रति घंटे तक चली गई वहीं राजधानी लखनऊ में तड़के सुबह 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी आंधी चली। विक्षोभ के सक्रिय होने से पश्चिम से शुरू हुई बारिश का असर शनिवार को प्रदेश के पूर्वांचल में भी दिखाई दिया और बस्ती,अयोध्या, बलरामपुर, बहराइच, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी आदि में बूंदाबांदी देखने को मिली। मौसम विभाग की ओर से रविवार के लिए आजगमढ़, मऊ, बलिया, गोंडा, अयोध्या, रामपुर, बरेली, पीलीभीत समेत पूर्वी और तराई इलाकों के 25 जिलों में वज्रपात और 30 से 40 किमी की रफ्तार से धूल भरी आंधी की चेतावनी जारी की गई है। वहीं शनिवार से रविवार के बीच बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत और शाहजहांपुर में गरज–चमक संग वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार को मेरठ में सर्वाधिक 62 मिमी तो वहीं सीतापुर में 30 मिमी बारिश दर्ज की गई। आगरा, बुंदेलखंड, विंध्य क्षेत्र में बारिश का असर कम रहा। सोमवार से प्रदेश में मौसम साफ होगा और पारा चढ़ने से गर्मी दोबारा सिर उठाएगी। जिले में शुक्रवार रात आंधी–पानी ने भारी तबाही मचाई। कई विशालकाय पेड़ धराशायी हो गए। कई इलाकों में दीवारें व छप्पर भरभराकर ढह गए। घरों व दुकानों के टीनशेड उड़कर दूर जा गिरे। अलग–अलग जगहों पर हुए हादसों में महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई जबकि आठ लोग घायल हो गए। घायलों में एक ही परिवार के सात लोग शामिल हैं। आंधी–पानी से गेहूं, सब्जी व आम की फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। मिश्रिख इलाके में ढेडुवापुर मजरा माड़र निवासी पलटू के घर की पक्की दीवार आंधी–पानी के बीच भरभराकर ढह गई। दीवार के सहारे रखे छप्पर के नीचे सो रहीं पलटू की बेटी रिंकी (34) मलबे में दब गईं। परिजनों ने मलबा हटाकर जब तक उन्हें बाहर निकाला, मौत हो चुकी थी। पति से अनबन के बाद रिंकी मायके में ही रहती थीं। उनके चार बच्चे हैं। इंस्पेक्टर अपराध अखिलेश यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अटरिया इलाके में रमपुरवा मजरा नीलगांव निवासी श्याम लाल (62) शुक्रवार की रात अपने घर के अंदर छप्पर के नीचे चारपाई पर लेटे थे। आंधी–पानी में छप्पर उनके ऊपर गिर गया जिसके नीचे दबकर श्याम लाल गंभीर रूप घायल हो गए। चीख–पुकार सुनकर परिजनों ने आननफानन छप्पर हटाकर उन्हें बाहर निकाला और एक निजी अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अटरिया थाना प्रभारी रोहित दुबे ने बताया कि प्रार्थनापत्र मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सिधौली इलाके के सीरगंज निवासी रामदयाल अपने परिवार समेत घर में सो रहे थे। आंधी में आम का एक विशालकाय पेड़ उनके घर के ऊपर गिर गया। हादसे में रामदयाल (50), उनकी पत्नी कमला (48), बेटा अंशू (12), अनिल (30) और पोता अंशू (05) व तीन माह और दो माह की पोती घायल हो गई। सभी घायलों को सीएचसी सिधौली से इलाज के बाद घर भेज दिया गया। पिसावां इलाके में अमजदपुरवा निवासी परसादी (65) गावं के बाहर अपनी पत्नी के साथ रहते हैं। आंधी के दौरान उनकी पत्नी जैसे ही घर के बाहर निकलीं, घर में सो रहे परसादी के ऊपर छप्पर व टीन सहित दीवार भरभराकर गिर गई। पत्नी की चीख–पुकार सुनकर पड़ोसियों ने परसादी को मलबे से बाहर निकाला। घायल परसादी को सीएचसी में भर्ती कराया गया।

7 अंट-शंट बयान देकर बुरी तरह ट्रोल हो चुकी हैं उर्वशी रौतेला

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला कई बार ऐसे बयान दे देती हैं, जिनके कारण सोशल मीडिया पर उनकी खूब खिल्ली उड़ाई जाती है. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उर्वशी रौतेला ने कहा था कि उत्तराखंड में उनके नाम का मंदिर है और वह चाहती हैं कि अब साउथ में भी उनका मंदिर बने. इस बयान के बाद उर्वशी का काफी मजाक उड़ाया जा रहा है और लोग उन्हें खूब ट्रोल भी कर रहे हैं. ऐसा पहली बार नहीं है जब उर्वशी ने ऐसा कंट्रोवर्शियल बयान दिया है, इससे पहले भी वह अपने बयानों के कारण सोशल मीडिया पर हंसी का पात्र बन चुकी हैं.एक्टर सैफ अली खान पर जब हमला हुआ था तो उर्वशी रौतेला से एक इंटरव्यू के दौरान सवाल किया गया था कि वह इस घटना पर क्या कहना चाहती हैं. इस सवाल को उर्वशी ने टालते हुए अपनी फिल्म डाकू महाराज की सक्सेस का गुणगान शुरू कर दिया था और साथ ही कहा था कि फिल्म की सक्सेस के बाद उनके पैरेंट्स ने उन्हें डायमंड रोलेक्स गिफ्ट की है. इस बयान को लेकर उर्वशी को काफी ट्रोल किया गया था.एक इंटरव्यू के दौरान उर्वशी रौतेला ने खुद को शाहरुख खान से ही कंपेयर कर लिया था. एक्ट्रेस ने कहा था कि शाहरुख खान के बाद वह बेस्ट प्रमोटर हैं. इस बयान को लेकर भी उर्वशी को काफी ट्रोल किया गया.डाकू महाराज की सक्सेस के बाद उर्वशी रौतेला ने एक इंटरव्यू के दौरान खुद को पहली आउटसाइडर एक्ट्रेस बताया था, जिसकी मूवी ने 100 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री मारी थी. उर्वशी के इस क्लिप के वायरल होने के बाद उनकी खूब खिल्ली उड़ाई गई थी.एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने अपने इंस्टाग्राम बायो में लिखा था कि उन्होंने आईआईटी से पढ़ाई की है. लेकिन जब बाद में एक्ट्रेस को ट्रोल किया गया तो उन्होंने बताया था कि उन्होंने आईआईटी से पढ़ाई नहीं की बल्कि उसकी प्रवेश परीक्षा पास की थी।

अजय देवगन के साथ 'धमाल 4' में नजर आएंगी संजीदा शेख और अंजलि आनंद

इन दिनों बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन अपनी आने वाली फिल्म रेड 2 को लेकर काफी चर्चाओं में हैं, तो वहीं अब अजय देवगन एक और फिल्म में नजर आने वाले हैं। धमाल 4 का नाम बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्मों की लिस्ट में शामिल है। हाल ही में 'धमाल 4' फिल्म की अनाउंसमेंट हुई, जहां इस फिल्म के अनाउंसमेंट होने के बाद अजय देवगन के फैंस उनको फिर से कॉमेडी किरदार में देखने के लिए काफी बेताब हैं। फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म में इस बार इस बार दो नई एक्ट्रेस की एंट्री भी हुई है। इस खुशखबरी को खुद अजय देवगन ने फैंस के साथ शेयर किया।

बता दें, अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के मालशेज घाट शेड्यूल के पूरे होने पर दो तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में फिल्म से जुड़ी कास्ट नजर आ रही है। मूवी के सेट से फोटो शेयर कर अजय देवगन ने फिल्में देखने के शौकीनों की एक्साइटमेंट को डबल कर दिया है। फिल्म की कास्ट के बारे में बात करें, तो सामने आई तस्वीरों में अजय देवगन के साथ अरशद वारसी, संजीदा शेख, जावेद जाफरी, संजय मिश्रा, रितेश देशमुख, अंजलि आनंद और उपेंद्र लिमये नजर आ रहे हैं। इंद्र कुमार के निर्देशन में धमाल 4 बन रही है। फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल महाराष्ट्र के मालशेज घाट पर शूट किया गया था।

धमाल 4 नजर आने वाली अंजलि आनंद ने टीवी सीरियल, फिल्म और वेब सीरीज सभी में काम किया है। ?अंजलि ने 2017 में टेलीविजन शो ढाई किलो प्रेम और 2018 में कुल्फी कुमार बाजेवाला में मुख्य भूमिका निभाई। 2023 में, अंजलि खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में एक प्रतियोगी के रूप में दिखाई दीं। उन्होंने 2023 में करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से बॉलीवुड में भी डेब्यू किया। हाल ही में ओटीटी पर एक वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' रिलीज हुई है। जिसमें अंजलि आनंद भी नजर आई।

टीवी सीरियल से लेकर फिल्मों और वेब सीरीज में संजीदा शेख ने खूब काम किया है। हाल में संजीदा शेख की एंट्री फिल्म धमाल 4 में हो चुकी है। तमाम टीवी सीरियल में काम करने के बाद 2020 में फिल्म तैश से संजीदा शेख ने बॉलीवुड डेब्यू किया। उसी साल संजीदा की दूसरी फिल्म काली खुही आई जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। 2024 में संजीदा फिल्म फाइटर में भी नजर आईं। 2024 की सुपरहिट वेब सीरीज हीरामंडी में कई एक्ट्रेसेस ने काम किया था, उनमें से एक संजीदा शेख भी हैं। टीवी एक्ट्रेस संजीदा शेख ने कई रियलिटी शोज किए और फिल्में भी की हैं।दरअसल, धमाल फ्रेंचाइजी की अब तक तीन फिल्में आ चुकी हैं।

'नो एंट्री 2' में दिखेगी वरुण और तमन्ना की जोड़ी

फैंस लंबे समय से इसके सीक्वल 'नो एंट्री 2' का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, और अब यह इंतजार जल्द ही खत्म होने जा रहा है।फिल्म को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है और लगातार नई-नई अपडेट्स सामने आ रही हैं। ताज़ा मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस बार फिल्म में एक नई और खूबसूरत अदाकारा की एंट्री भी हो गई है,जो कहानी में ताज़गी और ग्लैमर का नया तड़का लगाएगी। हालांकि अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन चर्चाओं

में यह नाम तेजी से वायरल हो रहा है।'नो एंट्री 2' को लेकर अब उत्साह और भी बढ़ गया है, क्योंकि अब इसमें इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया की एंट्री हो गई है।पीपिंग मून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, तमन्ना इस फिल्म में एक प्रमुख किरदार निभाती नजर आ सकती हैं। यह फिल्म उनके लिए खास इसलिए भी है क्योंकि यह कॉमेडी जॉनर में उनकी वापसी को चिह्नित करती है।रिपोर्ट्स की मानें तो तमन्ना इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं और फिल्म की स्क्रिप्ट और टीम से काफी प्रभावित भी हुई हैं। उनके जुड़ने से फिल्म की स्टारकास्ट और भी दमदार हो गई है, जिससे दर्शकों की उम्मीदें भी अब और बढ़ गई हैं।मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी चर्चा तेज हो गई है कि 'नो एंट्री 2' में तमन्ना भाटिया के साथ-साथ आदिति राव हैदरी भी एक फीमेल लीड के तौर पर नजर आ सकती हैं।हालांकि, फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री और सोशल मीडिया पर इन दोनों एक्ट्रेसेज़ को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। अगर ये दोनों सितारे वाकई फिल्म का हिस्सा बनते हैं, तो यह सीक्वल न केवल कॉमेडी के लिहाज से बल्कि स्टारकास्ट के मामले में भी पहले से कहीं ज्यादा भव्य और आकर्षक होने वाला है।

पूरी नई कास्ट की होगी एंट्री

'नो एंट्री 2' की स्टारकास्ट को लेकर अब काफी कुछ साफ हो गया है। फिल्म में वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ को मुख्य भूमिकाओं में लिया गया है।इस नई तिकड़ी को एक फुल ऑन कॉमेडी फिल्म में साथ देखने को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। हालांकि, बहुत से फैंस को इस बात का मलाल भी है कि साल 2005 में आई 'नो एंट्री' की ऑरिजिनल कास्ट — सलमान खान, फरदीन खान और अनिल कपूर — को इस सीक्वल में नहीं लिया गया है।पहले यह उम्मीद जताई जा रही थी कि वही सितारे वापसी करेंगे, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि मेकर्स ने कहानी को नया मोड़ देने के लिए पूरी तरह नई कास्ट के साथ

सलमान खान ने 'सिकंदर' से काफी उम्मीदें की थी, लेकिन इस पिक्चर ने उनका काम खराब करके रख दिया. अगर ये फिल्म अच्छी कमाई करती, तो थोड़ा रुककर भी काम किया जा सकता था. लेकिन अब सलमान खान के अगले प्रोजेक्ट को लेकर काफी कन्फ्यूजन क्रिएट हो रखा है. कभी पता लगता है कि संजय दत्त के साथ जल्द काम शुरू करेंगे, तो कभी खबर आती है कि साउथ वालों के साथ बातचीत चल रही है. इसी बीच पता लगा कि सलमान खान एक पावरफुल बायोपिक में इंडियन स्पाई का रोल करने वाले थे. लेकिन यह फिल्म बंद हो गई है. ङ्घक्रस्न स्पाई यूनिवर्स के लिए सलमान खान बार-बार स्पाई एजेंट बनते दिखे हैं. इस फ्रेंचाइजी की शुरुआत ही उनकी फिल्म से हुई थी. लेकिन क्या आप जानते हैं कि उन्हें एक इंडियन स्पाई का किरदार भी निभाना था. लेकिन अब पता लगा है कि क्यों इस प्रोजेक्ट को बंद किया गया है. साथ ही रेड के डायरेक्टर ने इसके पीछे की बड़ी वजह भी बता दी है.

दरअसल सलमान खान इंडियन स्पाई रविंद्र कौशिक की बायोपिक में काम करने वाले थे. लेकिन फिल्म अब बंद हो गई है. 'रेड' और 'रेड 2' बनाने वाले राज कुमार गुप्ता ने क्क्षड्ढ को इंटरव्यू दिया था. इस दौरान उन्होंने बताया कि उन्होंने फिल्म को लेकर सलमान खान से बातचीत की थी. दरअसल वो रविंद्र कौशिक की कहानी बड़े पर्दे पर लाना चाहते थे. जिन्हें ब्लैक टाइगर भी कहा जाता है.

राज कुमार गुप्ता ने बताया कि, उनके पास राइट्स थे, लेकिन फिर वो राइट्स एक्सपायर हो गए. वहीं, उसके बाद उसे रिन्यू नहीं किया गया. इसलिए वो फिल्म बंद करनी पड़ी. दरअसल साल 2021 में पिंकविला पर एक रिपोर्ट छपी थी. जिससे पता लगा था कि सलमान खान ने इस फिल्म के लिए हामी भरी थी. यह रविंद्र कौशिक के जीवन पर बेस्ड फिल्म थी. राज कुमार गुप्ता पिछले 5 सालों से उनकी जिंदगी पर रिसर्च कर रहे थे.

डायरेक्टर ने सलमान को स्क्रिप्ट सुनाई थी, जो पहले ही फिल्म करने के लिए मान गए थे. फैन्स इस रोल में सलमान खान को देखने के लिए भी काफी एक्साइटेड थे. लेकिन राइट्स रिन्यू नहीं किए गए, जिसके चलते पिक्चर को रोकना पड़ा. हालांकि, दोबारा इस प्रोजेक्ट को शुरू किया जाएगा या नहीं, इस पर कोई अपडेट नहीं किया गया है. अगर ये फिल्म बनती है, तो सलमान खान के करियर के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है(

केसरी 2 ने दूसरे दिन लगाई बड़ी छलांग

अक्षय कुमार , आर माधवन और अनन्या पांडे की फिल्म केसरी 2 कल यानी 19 अप्रैल को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थी. यह मूवी लोगों को काफी पसंद आ रही है, दर्शक केसरी 2 की कहानी से लेकर कास्ट की एक्टिंग और डायरेक्शन की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं. ओपनिंग डे पर मूवी को शानदार रिस्पांस मिला और केसरी 2 ने जबरदस्त कलेक्शन किया था, ऐसे में अब सबकी निगाहें फिल्म के दूसरे दिन के आंकड़ों पर टिकी हैं. बॉलीवुडलाइफ की इस रिपोर्ट में जानें केसरी 2 ने दूसरे दिन कितना कलेक्शन किया है?ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक जहां करण सिंह त्यागी के निर्देशन में बनी फिल्म केसरी 2 ने ओपनिंग डे पर 7.84 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था तो वहीं दूसरे दिन भी मूवी ने शानदार प्रदर्शन किया है. सैकनिल्क डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार केसरी 2 ने दूसरे दिन 9.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है और इस हिसाब से देखा जाए तो इन दो दिनों में मूवी ने 17.34 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है.

विराट कोहली की बराबरी से चूका इंग्लिश बल्लेबाज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से हरा दिया। उनकी इस जीत में जोस बटलर का अहम योगदान रहा। वह भले ही अपना शतक पूरा नहीं कर पाए लेकिन उन्होंने टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। मुकाबले के बाद इंग्लैंड के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने अपना शतक पूरा नहीं होने का कारण भी बताया। दाएं हाथ के बल्लेबाज जोस बटलर इस मुकाबले में 97 रन बनाकर नाबाद रहे। वह आईपीएल में अपना आठवां शतक जड़ने से सिर्फ तीन रन से चूक गए। अगर बटलर इस शतक को पूरा कर लेते तो वह विराट कोहली की सर्वाधिक शतकों के मामले में बराबरी कर लेते। मुकाबले के बाद बटलर ने बताया कि आखिरी ओवर में उन्होंने ही राहुल तेवतिया को जीत को तरजीह देने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा– मैंने राहुल से कहा कि मेरे शतक की चिंता मत करो। अगर तुम मैच फिनिश कर सकते हो तो करो। शतक होना अच्छी चीज है लेकिन जीत सबसे अहम है। मैं टीम की जीत और दो अंकों से बहुत खुश हूं। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए थे। जवाब में बटलर ने 54 गेंदों पर 11 चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 97 रन बनाए जिससे गुजरात ने 19.2 ओवर में तीन विकेट पर 204 रन बनाकर मैच जीत लिया। गुजरात ने इस तरह आईपीएल में अपना सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया। इससे पहले टीम ने कभी भी 200 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं किया था। दिल्ली ने इस मैच से पहले चार बार 200 से अधिक रनों का लक्ष्य का पीछा किया था ।

जीत की पटरी पर वापसी के लिए आरसीबी लगाएगी जोर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का रोमांच जारी है। रविवार को पंजाब किंग्स का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मुल्लांपुर में खेला जाएगा। इस मैच में आरसीबी जीत की पटरी पर वापसी का लक्ष्य लेकर उतरेगी। हालांकि, उनके लिए पंजाब के गेंदबाजों से लड़ना आसान नहीं होगा। पंजाब के खिलाफ शुक्रवार को बेंगलुरु में खेले गए मैच में टिम डेविड को छोड़कर आरसीबी का कोई भी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया और टीम को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। आरसीबी के पास फिल सॉल्ट, विराट कोहली, कप्तान रजत पाटीदार और लियाम लिविंगस्टोन जैसे धाकड़ बल्लेबाज हैं लेकिन उनके पास वापसी करने का बहुत कम समय है। बल्लेबाजों पर बरसे थे कप्तान पाटीदार पाटीदार ने बेंगलुरु में पंजाब के हाथों पराजय के लिए बल्लेबाजों की नाकामी को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा– विकेट शुरू में बल्लेबाजी के लिए बहुत अनुकूल नहीं था लेकिन हम एक बल्लेबाजी इकाई के तौर पर अच्छा प्रदर्शन कर सके। साझेदारी निभाना महत्वपूर्ण था लेकिन हमने नियमित अंतराल में विकेट गंवाए। यह हमारे लिए बहुत बड़ा सबक है।

आरसीबी को इन खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद आरसीबी अभी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है और अगर उसे शीर्ष में जगह बनाए रखनी है तो उसके बल्लेबाजों को जल्द से जल्द अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। आरसीबी विस्फोटक शुरुआत प्रदान करने के लिए सॉल्ट और कोहली पर भरोसा करेगी और मध्य क्रम में स्थिरता प्रदान करने के लिए पाटीदार, लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा, क्रुणाल पांड्या और डेविड पर जिम्मेदारी होगी। गेंदबाजी के मोर्चे पर, जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार आक्रमण की अगुवाई करेंगे, लेकिन उन्हें यश दयाल, क्रुणाल और सुयश शर्मा जैसे गेंदबाजों से अधिक सहयोग की जरूरत पड़ेगी। जहां तक पंजाब किंग्स का सवाल है तो श्रेयस अय्यर की अगुवाई में उनकी टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उसने सात में से पांच मैच में जीत हासिल की है और वह अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स के बाद दूसरे स्थान पर है। पंजाब के गेंदबाजों ने अभी तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट और मार्को यानसन तेज गेंदबाजी के मोर्चे पर शानदार रहे हैं, जबकि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने बीच के ओवरों में महत्वपूर्ण विकेट लेकर खुद को फिर से साबित कर दिया है। अय्यर ने भी पंजाब की जीत में चहल के योगदान की सराहना की। अय्यर ने कहा– मैंने निजी तौर पर चहल से बात की। मैंने उनसे कहा कि आप मैच विजेता हैं और आपको जितना संभव हो हमारे लिए विकेट हासिल करने हैं। आपको रक्षात्मक रवैया अपनाने की जरूरत नहीं है और आप वापसी करने की क्षमता रखते हो। हम एक लेग स्पिनर के तौर पर उनकी इसी बात के लिए प्रशंसा करते हैं। वह आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है, शायद आईपीएल में अब तक का सबसे अच्छा गेंदबाज है। आपको हर समय उसका समर्थन करना होगा। जहां तक पंजाबी बल्लेबाजी का सवाल है तो पहले ही शतक लगा चुके युवा प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह से टीम को अच्छी शुरुआत की उम्मीद रहेगी। उसके पास मध्य क्रम में अय्यर, जोश इंगलिस, नेहल वढेरा, शशांक सिंह और मार्कस स्टोइनिस के रूप में कुशल बल्लेबाज हैं।

चेन्नई से पिछली हार का बदला लेने उतरेगी मुंबई, धोनी के सामने होगी रोहित–बुमराह की चुनौती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पिछले दो मैच में जीत दर्ज कर चुकी मुंबई इंडियंस की टीम का सामना अब प्रमुख प्रतिद्वंद्वी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से होगा। सीएसके ने आईपीएल 2025 के अपने पहले मैच में मुंबई को हराया था। सीएसके और मुंबई के बीच को लेकर प्रशंसकों में हमेशा ही क्रेज रहता है, लेकिन सीएसके की खराब फॉर्म इस चमक को कम कर सकती है। मुंबई की नजरें हालांकि, पिछली हार का बदला लेकर आईपीएल 2025 में जीत की हैट्रिक लगाने पर होंगी। मुंबई ने शुरुआती मैचों की निराशा को पीछे छोड़ते हुए अपने पिछले दो मैचों में दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद को मात देकर अच्छी वापसी की है। हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली टीम तालिका में सातवें पायदान पर है और वह मौजूदा सत्र में जीत की हैट्रिक लगाने के साथ सत्र के अपने पहले मैच में इस टीम से मिली हार का बदला चुकता करना चाहेगी। मुंबई इंडियंस ने अपने पिछले मैच में शानदार गेंदबाजी से सनराइजर्स हैदराबाद की आक्रामक बल्लेबाजी को खुलकर स्कोर बनाने का मौका नहीं दिया। टीम ने इसके बाद आसानी से जीत के लिए मिले 163 रन के लक्ष्य को छह विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया था। उस मैच में पिच से स्पिनरों को काफी मदद मिली थी, लेकिन सीएसके के खिलाफ स्पिनरों की मददगार पिच पर खेलना टीम के लिए जोखिम भरा हो सकता है। चेन्नई के पास शानदार लय में चल रहे बाएं हाथ के स्पिनर नूर अहमद के अलावा अनुभवी रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन का भी विकल्प है। नूर ने सात मैचों में 12 विकेट लिए हैं, जिसमें मुंबई के खिलाफ शुरुआती मैच में तीन सफलता शामिल है। चेन्नई के खिलाफ सत्र का पहला मैच गंवाने के बावजूद मौजूद फॉर्म के आधार पर मुंबई का पलड़ा भारी है। रोहित शर्मा ने अभी तक बड़ा स्कोर नहीं बनाया है, लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ उनकी तेज शुरुआत ने टीम को बिना किसी दबाव के लक्ष्य का पीछा करने की आजादी दी। तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी दिखी है लेकिन रियान रिक्लेटन ने शीर्ष क्रम में अच्छा योगदान दिया है। अनुभवी जसप्रीत बुमराह की वापसी से मुंबई की गेंदबाजी मजबूत हुई है। ट्रेंट बोल्ट भी अपने पुराने अंदाज में दिख रहे है। हार्दिक ने गेंदबाज और बल्लेबाज के रूप में अपनी भूमिका अच्छी तरह निभाई है, लेकिन आखिरी ओवरों में आक्रमक बल्लेबाजी के लिए वह नमन धीर पर निर्भर रहेंगे। चेन्नई ने पिछले मैच में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ पांच विकेट की जीत के साथ लगातार पांच हार के सिलसिले को खत्म किया, लेकिन बल्लेबाजी उनकी कमजोर कड़ी बनी हुई है। नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के चोट के कारण बाहर होने से महेंद्र सिंह धोनी की कप्तान के तौर पर वापसी हुई है और वानखेड़े मैदान पर उनकी कई खास यादें जुड़ी हुई है। इसमें 2011 में वनडे विश्व कप में विजयी छक्का लगाने से लेकर आईपीएल के पिछले सत्र में चार गेंद में 20 रन की नाबाद पारी के दौरान हार्दिक के खिलाफ तीन छक्के जड़ना शामिल है। टीम ने बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस और मुंबई के युवा खिलाड़ी आयुष म्हात्रे को अपने साथ जोड़ा है।

गूगल के सीईओ भी हुए 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के मुरीद जमकर की तारीफ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का मौका दिया। इसी के साथ वह आईपीएल में डेब्यू करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। इस मुकाबले में उन्होंने पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर अपने इरादे जाहिर कर दिए। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी को देखकर हर कोई हैरान रह गया। यहां तक कि गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई भी खुद को वैभव की तारीफ करने से रोक नहीं पाए। लखनऊ के खिलाफ वैभव ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली गेंद पर जोरदार छक्का जड़ा और फैंस का दिल जीत लिया। इस दौरान बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 20 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 34 रनों की शानदार पारी खेली। उन्हें ऋषभ पंत ने स्टंप आउट किया। बिहार के युवा बल्लेबाज की धमाकेदार बल्लेबाजी देखकर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई भी प्रभावित हुए। उन्होंने अपने एक्स हैंडल से लिखा– श8वीं क्लास के बच्चे को प्च्- में खेलते देखने के लिए उठा!!!! क्या शानदार डेब्यू किया है! आईपीएल 2025 के लिए पिछले साल हुई मेगा नीलामी में वैभव सूर्यवंशी को राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस खिलाड़ी का आधार मूल्य 30 लाख रुपये था और वह अपने बेस प्राइस से लगभग चार गुना ज्यादा दाम पर बिके। वह आईपीएल नीलामी इतिहास में बिकने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए थे। बिहार के वैभव ने सिर्फ 13 साल और 242 दिनों की उम्र में आईपीएल नीलामी के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए ।

जीत के बावजूद गुजरात के कप्तान शुभमन गिल को झटका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर धीमी ओवर गति के कारण जुर्माना लगा दिया है। बोर्ड ने उन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना ठोका है। आईपीएल ने इसको लेकर जारी बयान में कहा– यह आईपीएल की आचार संहिता की धारा 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर–रेट अपराधों से संबंधित है इसलिए शुभमन गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। गुजरात ने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सात विकेट से जीत दर्ज की थी। इस मैच में दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए थे। जवाब में बटलर ने 54 गेंदों पर 11 चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 97 रन बनाए जिससे गुजरात ने 19.2 ओवर में तीन विकेट पर 204 रन बनाकर मैच जीत लिया। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल में हासिल किया अपना सबसे बड़ा लक्ष्य गुजरात ने इस तरह आईपीएल में अपना सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया। इससे पहले टीम ने कभी भी 200 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं किया था। दिल्ली ने इस मैच से पहले चार बार 200 से अधिक रनों का लक्ष्य का पीछा किया था, लेकिन टीम को सफलता नहीं मिली थी। यह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ किसी टीम का सबसे बड़ा लक्ष्य है।

आवेश की घातक गेंदबाजी से पलटा पासा, जीत की पटरी पर लौटी लखनऊ

जयपुर, (एजेंसी)। आवेश खान की घातक गेंदबाजी की दम पर लखनऊ सुपर जाइंट्स ने राजस्थान रॉयल्स को दो रन से हरा दिया। शनिवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने एडेन मार्करम और आयुष बडोनी की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 180 रन बनाए, लेकिन जवाब में राजस्थान निर्धारित ओवरों में पांच विकेट खोकर 178 रन ही बना सकी। मौजूदा सत्र में यह लखनऊ की पांचवीं जीत है। अब टीम 10 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, राजस्थान आठ में से छह मैच गंवाने के बाद आठवें पायदान पर खिसक गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत शानदार हुई थी। यशस्वी जायसवाल और 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के बीच पहले विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी हुई। एडेन मार्करम ने सूर्यवंशी को पंत के हाथों स्टंप कराया। वह 20 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 34 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपने करियर की पहली गेंद पर छक्का जड़ा। इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने नीतीश राणा को पवेलियन की राह दिखाई। वह सिर्फ आठ रन बना सके। फिर जायसवाल को रियान पराग का साथ मिला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़े। आवेश खान ने पलटा पासा

आवेश खान ने जायसवाल को 18वें ओवर की पहली गेंद पर बोल्ड किया। वह 52 गेंदों में 74 रन बनाकर आउट हुए। इसी ओवर में आवेश ने रियान को भी एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह 39 रन बनाकर लौटे। पारी के अंतिम ओवर में टीम को जीत के लिए नौ रनों की जरूरत थी, लेकिन आवेश खान ने शिमरन हेटमायर को आउट कर उनकी यह उम्मीद भी तोड़ दी। ध्रुव जुरेल और शुभम दुबे क्रमशः छह और तीन रन बनाकर नाबाद रहे। लखनऊ के लिए आवेश ने तीन विकेट लिए जबकि शार्दुल और मार्करम को एक–एक सफलता मिली। मार्करम–बडोनी के बाद समद गरजे इससे पहले, इस मैच में लखनऊ की शुरुआत खराब हुई। जोफ्रा आर्चर ने मिचेल मार्श को अपना शिकार बनाया। वह सिर्फ चार रन बना सके। इसके बाद संदीप शर्मा ने निकोलस पूरन को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह सिर्फ 11 रन बना पाए। वहीं, कप्तान ऋषभ पंत एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। उन्होंने सिर्फ तीन रन बनाए।

इसके बाद मोर्चा एडेन मार्करम और आयुष बडोनी ने संभाला। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 49 गेंदों में 76 रन की साझेदारी हुई। इस दौरान मार्करम ने 45 गेंदों में 66 और बडोनी ने 34 गेंदों में 50 रन की पारी खेली। वहीं, डेथ ओवर्स में अब्दुल समद का बल्ला गरजा और उन्होंने 300 के स्ट्राइक रेट से महज 10 गेंदों में 30 रन कूट दिए। पारी के आखिरी ओवर में उन्होंने कुल 27 रन बटोरे। डेविड मिलर सात रन बनाकर नाबाद रहे।

यशस्वी लगातार तीन या ज्यादा मैच में आरआर के लिए 50 रन बनाने वाले छठे बल्लेबाज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अर्धशतकीय पारी से टीम को जीत दिलाने की पूरी कोशिश की लेकिन वह नाकाम रहे। लखनऊ सुपर जाइंट्स ने यह मुकाबला महज दो रन से जीत लिया और अंक तालिका में चौथा स्थान हासिल कर लिया। वहीं, राजस्थान आठ मैचों में छह हार के साथ आठवें पायदान पर खिसक गई। इस मुकाबले में बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 31 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का 13वां अर्धशतक पूरा किया। वहीं, मौजूदा सत्र का यह उनका चौथा पचासा है। जायसवाल ने 52 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के की मदद से 74 रन बनाए। उन्हें आवेश खान ने पवेलियन की राह दिखाई। 23 वर्षीय बल्लेबाज ने इस शानदार पारी के साथ बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए तीन या उससे ज्यादा पारियों में 50 रन बनाने वाले छठे बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने जोस बटलर, अजिंक्य रहाणे और संजू सैमसन की बराबरी कर ली। आवेश खान की घातक गेंदबाजी की दम पर लखनऊ सुपर जाइंट्स ने राजस्थान रॉयल्स को दो रन से हरा दिया। शनिवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने एडेन मार्करम और आयुष बडोनी की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 180 रन बनाए, लेकिन जवाब में राजस्थान निर्धारित ओवरों में पांच विकेट खोकर 178 रन ही बना सकी। लखनऊ के लिए आवेश ने तीन विकेट लिए जबकि शार्दुल और मार्करम को एक–एक सफलता मिली। मौजूदा सत्र में यह लखनऊ की पांचवीं जीत है।

वैभव डेब्यू मैच में पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले 10वें बल्लेबाज, रसेल और तीक्षणा के क्लब में शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के 14 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी शनिवार को आईपीएल में डेब्यू करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। अपने पहले ही मुकाबले में उन्होंने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। बता दें कि, लखनऊ सुपर जाइंट्स ने शनिवार को राजस्थान रॉयल्स पर दो रन से जीत के साथ अंक तालिका में चौथा स्थान हासिल कर लिया। वहीं, राजस्थान ने लगातार चौथा मुकाबला गंवा दिया। संजू सैमसन की जगह टीम में शामिल हुए वैभव लखनऊ के खिलाफ यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग के लिए आए। उन्होंने आते ही पहली गेंद पर शार्दुल ठाकुर के खिलाफ छक्का जड़ा। इसी के साथ उन्होंने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह आईपीएल में डेब्यू मैच में पहली गेंद पर छक्का जड़ने वाले 10वें बल्लेबाज बन गए। इसी के साथ वह आंद्रे रसेल और महीश तीक्षणा के क्लब में शामिल हो गए। लखनऊ के खिलाफ वैभव ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 20 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 34 रनों की शानदार पारी खेली। उन्हें ऋषभ पंत ने स्टंप आउट किया। अपने डेब्यू मैच में स्टंप आउट होने वाले वह 11वें बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले आईपीएल में रॉबिन उथप्पा, महेला जयवर्धने और डेविड वॉर्नर जैसे बल्लेबाज भी स्टंप आउट हो चुके हैं। सूर्यवंशी की क्रिकेट यात्रा नौ साल की उम्र में शुरू हुई, जब उन्हें अपने पिता संजीव सूर्यवंशी से शुरुआती कोचिंग मिली। क्रिकेट के प्रति उनके पिता के जुनून और खुद उनके समर्पण ने वैभव को इतनी कम उम्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित किया, जिससे वह भारतीय क्रिकेट में एक होनहार प्रतिभा बन गए। वैभव वही बल्लेबाज हैं जिन्होंने रणजी ट्रॉफी 2024 में महज 12 साल और 284 दिन की उम्र में डेब्यू किया था। वह ऐसा करने वाले चौथे सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। उन्होंने सचिन तेंदुलकर सहित कई खिलाड़ियों का रिकॉर्ड तोड़ा था। सचिन बेहद कम उम्र में रणजी क्रिकेट में बड़ा नाम बन गए थे और भारत की युवा टीम में भी जगह बनाई थी।

आखिरी ओवर में राजस्थान के मुंह से जीत छीनने के बाद बोले आवेश खान

जयपुर, (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाइंट्स ने शनिवार को आवेश खान की घातक गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स के मुंह से जीत छीन ली। ऋषभ पंत की टीम ने रजवाड़ों को दो रन से मात देकर अंक तालिका में चौथा स्थान हासिल कर लिया। मुकाबले के बाद आवेश ने अपनी गेंदबाजी को लेकर बात की और बताया कि वह सिर्फ टीम के विषय में सोचते हैं। लखनऊ सुपर जाइंट्स ने शनिवार को आवेश खान की घातक गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स के मुंह से जीत छीन ली। ऋषभ पंत की टीम ने रजवाड़ों को दो रन से मात देकर अंक तालिका में चौथा स्थान हासिल कर लिया। मुकाबले के बाद आवेश ने अपनी गेंदबाजी पर बात की और बताया कि वह सिर्फ टीम के विषय में सोचते हैं। इस शानदार प्रदर्शन के लिए 28 वर्षीय गेंदबाज को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कहा कि वह मिचेल स्टार्क नहीं बनना चाहते। वह सिर्फ अच्छे आवेश खान बनना चाहते हैं। तेज गेंदबाज ने कहा– मैं मिचेल स्टार्क नहीं बनना चाहता, मैं बस एक अच्छा आवेश खान बनना चाहता हूं। यॉर्कर मेरी ताकत है और मैं इसे निष्पादित करने की कोशिश करता हूं। अगर मैं स्पष्टता के साथ गेंदबाजी करता हूं, तो मैं इसे अच्छी तरह से निष्पादित करता हूं। मैं स्कोरकार्ड को देखते हुए गेंदबाजी नहीं करता। मैं पहली तीन गेंदों पर बाउंड्री नहीं देना चाहता था क्योंकि इससे बल्लेबाज दबाव में आ जाते हैं। सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने एडेन मार्करम और आयुष बडोनी की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 180 रन बनाए, लेकिन जवाब में राजस्थान निर्धारित ओवरों में पांच विकेट खोकर 178 रन ही बना सकी। लखनऊ के लिए आवेश ने तीन विकेट लिए जबकि शार्दुल और मार्करम को एक–एक सफलता मिली। मौजूदा सत्र में यह लखनऊ की पांचवीं जीत है।

राजशाही के समर्थन में आज फिर नेपाल में प्रदर्शन, गृह मंत्रालय ने जारी की चेतावनी

काठमांडू, (एजेंसी)। नेपाल में राजशाही समर्थक राजनीतिक पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने आज यानी 20 अप्रैल को एक बार फिर विरोध प्रदर्शन का एलान किया है, जिससे तनाव की स्थिति है। अब नेपाली गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) को चेतावनी दी है कि वे विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रतिबंधित क्षेत्रों का उल्लंघन न करें। आरपीपी आज राजधानी काठमांडू के बिजुलीबाजार इलाके में विरोध प्रदर्शन करेगी। आरपीपी के एलान पर गृह मंत्रालय की चेतावनी

दरअसल राजशाही समर्थक आरपीपी ने विरोध प्रदर्शन के दौरान सरकार द्वारा तय प्रतिबंधित क्षेत्रों को तोड़ने की अपनी मंशा को खुले तौर पर घोषित किया है। आरपीपी के अध्यक्ष राजेंद्र लिंगदेन ने कहा है कि वे राजशाही की बहाली और नेपाल को हिंदू राज्य के रूप में स्थापित करने की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए प्रतिबंधित क्षेत्रों का उल्लंघन करेंगे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गृह मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा कि कानून का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मंत्रालय ने बयान में कहा, शगृह मंत्रालय ने 20 अप्रैल, 2025 को कानूनी रूप से तय किए गए निषिद्ध क्षेत्रों का उल्लंघन करने की योजना के बारे में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नाम से जारी समाचार रिपोर्टों और सार्वजनिक बयानों को गंभीरता से लिया है।श गृह मंत्रालय ने कहा कि संविधान और कानून के उल्लंघन को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों या समाज में अराजकता फैलाने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विरोध प्रदर्शन को देखते हुए सरकार ने संसद भवन, सरकारी सचिवालय और शहर के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के आसपास सुबह से ही हजारों दंगा निरोधक पुलिसकर्मियों और सशस्त्र पुलिस बलों को तैनात किया हुआ है। नेपाल में राजशाही समर्थक विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए प्रधानमंत्री के आवास पर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और सीपीएन (माओवादी सेंटर) के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल के बीच अहम बैठक हुई। इस बैठक में गणतांत्रिक व्यवस्था और लोकतंत्र के समर्थन में एकजुट होने पर सहमति बनी। गौरतलब है कि राजशाही समर्थक ताकतों ने राजशाही को बहाल करने के उद्देश्य से काठमांडू के तिनकुने इलाके में बीते मार्च के अंत में विरोध प्रदर्शन किया था, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी और सैंकड़ों अन्य घायल हुए थे। रविवार के विरोध प्रदर्शन से पहले पूर्व राजा ज्ञानेंद्र ने भी अपने निवास पर आरपीपी के नेताओं और राजशाही समर्थक नेताओं से मुलाकात की थी।

पूर्व सीनेटर रॉबर्ट एफ केनेडी की हत्या से जुड़े गोपनीय दस्तावेज जारी, बेटी ने जताई नाराजगी

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने पूर्व सीनेटर रॉबर्ट एफ केनेडी की हत्या से जुड़े गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक कर दिए हैं। इन दस्तावेजों को सार्वजनिक किए जाने पर रॉबर्ट एफ केनेडी की बेटी कैरी ने निराशा जाहिर की है और कहा है कि उन्हें इससे बहुत दुख हुआ है। कैरी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि ये बेहद दर्दनाक है कि हमें उनके पोस्टमार्टम के दौरान की तस्वीरें देखनी पड़ रही हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी और उनके भाई रॉबर्ट एफ केनेडी की 60 के दशक में हत्या कर दी गई थी। दोनों की हत्या से जुड़े दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग हो रही थी। जिसके बाद अमेरिकी सरकार ने जॉन एफ केनेडी, रॉबर्ट केनेडी और नागरिक अधिकार नेता मार्टिन लूथर किंग की हत्या से जुड़े गोपनीय दस्तावेज

सार्वजनिक कर दिए हैं। इस संबंध में राष्ट्रपति ट्रंप ने जनवरी में ही कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए थे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए रॉबर्ट केनेडी की बेटी कैरी ने कहा कि हम अपने पिता को जिस तरह से याद करते हैं, हम उन्हें उस तरह से नहीं देख पाएंगे बल्कि अब हमें ओटॉप्सी रिपोर्ट, पोस्टमार्टम की तस्वीरों को देखना पड़ेगा और यह बेहद दर्दनाक है। कैरी ने ट्रंप प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि इनकी सरकार में अनगिनत लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। कैरी केनेडी ने अल सल्वाडोर निर्वासित किए गए गार्सिया का जिक्र किया। साथ ही नौकरी से निकाले गए संघीय कर्मचारियों, ट्रांसजेंडर्स को हो रही परेशानी की ओर भी इशारा किया। कैरी ने कहा कि ट्रंप प्रशासन को लगता है कि वे हमें दफना सकते हैं, लेकिन हम इन परेशानियों से उभरेंगे और मजबूत होकर आएंगे।

हत्या से जुड़े 10 हजार पन्ने सार्वजनिक किए गए

गोपनीय दस्तावेजों को सार्वजनिक करने का एलान करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अब सबकुछ सामने आ जाएगा। दरअसल केनेडी बंधुओं की हत्या को लेकर कई षडयंत्र सिद्धांत है। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया था कि श्उन्हें गोपनीयता हटाने के प्रयास करने और सच्चाई पर प्रकाश डालने का सौभाग्य मिला है, जो लंबे समय से अटका हुआ था।श हाल ही में अमेरिकी सरकार ने रॉबर्ट कैनेडी की हत्या की जांच से जुड़े 10,000 पन्नो को सार्वजनिक करने का आदेश दिया था। केनेडी के बेटे रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर ट्रंप के करीबी हैं और फिलहाल ट्रंप प्रशासन में स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव के रूप में काम कर रहे हैं। रॉबर्ट एफ केनेडी की हत्या के आरोप में जॉर्डन मूल के सिरहान को गिरफ्ता किया गया था, जो अभी जेल में बंद है।

चीन से बात कर रहा है अमेरिका, टैरिफ की लड़ाई के बीच डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र अमेरिका टैरिफ को लेकर चीन के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा, उन्हें विश्वास है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं एक कड़वे

व्यापार युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौता कर सकती हैं। ट्रंप ने कहा, हां, हम चीन से बात कर रहे हैं।श ट्रंप ने ओवल ऑफिस में संवाददाताओं से कहा कि मैं कहूंगा कि उन्होंने कई बार संपर्क किया है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से सीधे बात की है? तो उन्होंने इस पर कोई जवाब नहीं दिया, जबकि उन्होंने पहले भी कई संकेत दिए थे कि उन्होंने इस बारे में बात की है। शी के साथ बातचीत के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं कहा कि ऐसा हुआ है या नहीं। यह उचित नहीं है। पत्रकारों की ओरसे यह पूछे जाने पर कि क्या शी ने उनसे संपर्क किया है? ट्रंप ने जवाब दिया कि आपको लगता होगा कि यह बहुत स्पष्ट है कि उन्होंने ऐसा किया है, लेकिन हम जल्द ही इस बारे में बात करेंगे। ट्रंप का प्रशासन सुपरपावर प्रतिद्वंद्वी चीन के साथ आसमान छूते पारस्परिक शुल्कों के युद्ध में उलझा हुआ है। इस लड़ाई ने विश्व बाजारों को बेचैन कर दिया है। जब इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी यूरोपीय संघ पर अमेरिकी शुल्कों को समाप्त करने के उद्देश्य से वार्ता के लिए अमेरिका आई थीं, तब व्हाइट हाउस में ट्रंप ने हर कहा था कि मुझे लगता है कि हम चीन के साथ बहुत अच्छा सौदा करने जा रहे हैं। अमेरिका की ओर से 2 अप्रैल 2025 को अपने व्यापारिक साझेदारों पर जवाबी टैरिफ लगाने के एलान के बाद चीन के साथ उसका व्यापार युद्ध एक नए मुकाम पर पहुंच गया।

परमाणु समझौते पर नया मोड़, रोम में ईरान और अमेरिका ने मिलाया सुर

ईरान, (एजेंसी)। अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत का दूसरा दौर शनिवार को इटली की राजधानी रोम में संपन्न हुआ। बातचीत के बाद दोनों देशों की ओर से इस बार थोड़ी सकारात्मकता दिखाई दी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने मामले में बताया कि कुछ मुद्दों पर सिद्धांत रूप में सहमति बनी है और आगे बढ़ने की उम्मीद है। बता दें कि यह वार्ता पिछले हफ्ते ओमान की राजधानी मस्कट में हुई पहली बैठक के बाद हुई। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने की, जबकि ईरान की ओर से अब्बास अरागची शामिल हुए। चार घंटे चली इस बैठक के बाद अरागची ने कहा कि बातचीत में कुछ बुनियादी मुद्दों पर सहमति बन रही है। साथ ही यह भी बताया गया कि तकनीकी विशेषज्ञों की

बातचीत बुधवार से शुरू होगी, जबकि तीसरे दौर की वार्ता अगले शनिवार मस्कट में होगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ओमान ने एक बार फिर मध्यस्थ की भूमिका निभाई और दोनों पक्ष सीधे आमने–सामने नहीं बैठे। बल्कि वे अलग–अलग कमरों में बैठकर ओमान के विदेश मंत्री बद्र बिन हमद अल बुसैदी के जरिए बातचीत करते रहे। इस वार्ता को लेकर अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि किसी भी समझौते का मकसद मध्य पूर्व में शांति और स्थिरता लाना होना चाहिए। साथ ही यह राष्ट्रपति ट्रंप के नजरिए के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि ईरान को अपने परमाणु हथियार बनाने की किसी भी योजना को पूरी तरह बंद करना होगा। इस बीच इस्राइल ने भी कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि वह ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए किसी भी हद तक जाएगा। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर विवाद के कारण पर प्रकाश डाले तो अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन बंद करे, क्योंकि उसे शक है कि इसका इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में किया जा सकता है। दूसरी ओर ईरान का कहना है कि उसे शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए यूरेनियम संवर्धन का अधिकार है। लेकिन वह मानता है कि उसकी अर्थव्यवस्था पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाने के लिए वह कुछ समझौते करने को तैयार है।

शेख हसीना और 11 अन्य के खिलाफ जारी करें रेड कॉर्नर नोटिस बांग्लादेश पुलिस ने की इंटरपोल से अपील

ढाका, (एजेंसी)। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब बांग्लादेश पुलिस के राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो (एनसीबी) ने हसीना सहित 12 व्यक्तियों के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए इंटरपोल से अपील की है। शनिवार को एक मीडिया रिपोर्ट में इंटरपोल से अपील की जानकारी दी गई। 77 वर्षीय हसीना पिछले साल 5 अगस्त से भारत में रह रही हैं। छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद वह बांग्लादेश से भाग गई थीं। छात्रों के प्रदर्शन के बाद, शेख हसीना की आवामी लीग (एएल) की 16 साल की सरकार गिर गई थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस मुख्यालय में सहायक महानिरीक्षक (मीडिया) इनामुल हक सागर ने बताया कि एनसीबी अदालतों, सरकारी अभियोजकों या जांच एजेंसियों की अपील के आधार पर ऐसे अनुरोधों पर कार्रवाई करता है। सागर ने बताया, श्ये आवेदन जांच के दौरान या चल रही केस कार्यवाही के माध्यम

से सामने आने वाले आरोपों के संबंध में दायर किए जाते हैं। इंटरपोल द्वारा रेड कॉर्नर नोटिस का उपयोग प्रत्यर्पण, किसी व्यक्ति को ढूंढने और अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने के लिए किया जाता है। इंटरपोल विदेश में रहने वाले भगोड़ों के ठिकानों पर नजर रखता है। पुष्टि होने के बाद, उस व्यक्ति से संबंधित जानकारी अधिकारियों के साथ साझा करता है, ताकि उसे उसके देश वापस लाया जा सके। 8 अगस्त को मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला था। जिम्मेदारी संभालने के कुछ सप्ताह बाद, बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (ICT) ने हसीना और कई पूर्व कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों, सैन्य और नागरिक अधिकारियों के खिलाफ वारंट जारी किया। इन पर श्मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहारश के आरोप हैं। पिछले साल नवंबर में, प्ब्ज के मुख्य अभियोजक कार्यालय ने पुलिस मुख्यालय से कहा था कि इंटरपोल की मदद लेकर शेख हसीना और अन्य भगोड़ों की गिरफ्तारी की जाए। 21 जनवरी को, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा कि वह भारत से अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना को वापस लाने के अपने प्रयास जारी रखेगी। यदि आवश्यक हुआ तो अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की मांग करेगी।

हमास को तबाह करने और बंधकों की रिहाई तक जारी रहेगा युद्ध - नेतन्याहू

गाजा, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को फिर दोहराया कि इस्राइल के पास गाजा में लड़ाई जारी रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक हमास को नष्ट नहीं किया जाता, बंधकों की रिहाई नहीं हो जाती, और यह सुनिश्चित नहीं हो जाता कि गाजा अब इस्राइल के लिए खतरा नहीं है, तब तक युद्ध जारी रहेगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार न मिले। नेतन्याहू पर अपने ही देश में कई स्तरों पर दबाव बढ़ रहा है। बंधकों के परिवार, उनके समर्थक और पूर्व इस्राइली सैनिक पिछले महीने युद्ध विराम को तोड़ने के बाद युद्ध जारी रखने पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि, नेतन्याहू ने दावा किया है कि इस्राइल ने युद्धविराम जारी रखने

के लिए हमास को आधे बंधकों की रिहाई का प्रस्ताव दिया था, लेकिन हमास ने नवीनतम प्रस्ताव को ठुकरा दिया। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस्राइली हमलों में बीते 48 घंटों में 90 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। अस्पताल कर्मचारियों के अनुसार, इस्राइल द्वारा रातभर किए गए हमलों में 15 लोग मारे गए, इनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। अस्पताल कर्मियों के अनुसार, दक्षिणी शहर खान यूनिस में कम से कम 11 लोग मारे गए, जिनमें कई मुवासी इलाके में एक तंबू में थे। यहां पर सैकड़ों हजारों विस्थापित लोग रह रहे हैं। इस्राइल ने भी इसे मानवीय क्षेत्र घोषित किया है। यूरोपीय अस्पताल के अनुसार, राफा शहर में इस्राइली हमलों में चार अन्य लोग मारे गए हैं। मरने वालों में मां–बेटी भी शामिल हैं। अल–अवदा अस्पताल के अनुसार, बाद में शनिवार को, इस्राइल ने मध्य गाजा में नुसेरात के पश्चिम में नागरिकों के एक समूह पर हवाई हमला किया। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पीएम नेतन्याहू का कहना है कि इस्राइली सैनिक हमास पर बंधकों को रिहा करने और हथियार छोड़ने का दबाव बनाने के लिए हमले बढ़ा रहे हैं। वहीं, इस्राइली सेना का कहना है कि उसने सप्ताहांत में 40 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया है। हालांकि, सेना ने यह भी बताया कि शनिवार को उत्तरी गाजा में एक सैनिक की भी मौत हो गई है। सेना ने पुष्टि की कि 18 मार्च को फिर से युद्ध शुरू होने के बाद यह पहले सैनिक की मौत हुई है।

शर्म करो!’ के नारों से गूंजा व्हाइट हाउस, 700 इलाकों से उठी एक आवाज

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर जहां एक ओर पूरी दुनिया में चर्चाएं तेज हो गई है। वहीं

दूसरी ओर एक बार फिर अमेरिका में ही हजारों लोगों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह प्रदर्शन ट्रंप की नीतियों से नाराजगी जताने के लिए हुआ, जिसमें टैरिफ (आयात कर), धमकियां, संघीय नौकरी में कटौती, और आव्रजन कानून शामिल हैं। बता दें कि अमेरिका में लगभग 700 से ज्यादा जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें न्यूयॉर्क, वाशिंगटन, शिकागो, लॉस एंजिल्स और जैक्सनविल जैसे शहर शामिल हैं। हालांकि, 5 अप्रैल को हुए प्रदर्शनों के मुकाबले इस बार लोगों की संख्या थोड़ी कम रही।

ट्रंप के खिलाफ लगाए शर्म करो के नारे

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ नाराजगी के बीच वाशिंगटन में बड़ी संख्या में लोग व्हाइट हाउस के बाहर इकट्ठा हुए। साथ ही ट्रंप के खिलाफ शशर्म करोश जैसे नारे भी लगाए। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति पर नागरिक स्वतंत्रता और कानून के शासन को कमजोर करने का आरोप लगाया। अब्रेगो गार्सिया की वापसी को लेकर भी उठी मांग

इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों ने अल साल्वाडोर से निर्वासित होने वाले किल्मर आर्मंडो अब्रेगो गार्सिया की वापसी की भी मांग की। इसके साथ ही वाशिंगटन में मौजूद आरोन बर्क ने चिंता जताई कि सरकार बिना किसी प्रक्रिया के लोगों को निर्वासित कर रही है और यह सिलसिला कहीं नहीं रुकेगा। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी ट्रांसजेंडर है और उन्हें अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे अमानवीय बर्ताव की सबसे ज्यादा चिंता है। वहीं फ्लोरिडा के जैक्सनविल में सैकड़ों लोग स्ळठज्फ समुदाय के अधिकारों और पर्यावरण सुरक्षा कानूनों में बदलाव के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन में भाग लेने वाली सारा हार्वे ने कहा कि हम अपना देश खो रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह एलन मस्क के नेतृत्व में संघीय नौकरियों में हो रही कटौती का भी विरोध कर रही हैं। 50501 समूह की प्रवक्ता हीदर डन ने कहा कि शनिवार का विरोध प्रदर्शन श्ट्रंप प्रशासन के अधिनायकवाद से लोकतंत्र की रक्षाश के लिए है। उन्होंने कहा कि यह गैर–राजनीतिक और शांतिपूर्ण आंदोलन है, जो संविधान का सम्मान करता है और सरकार में जनहित को प्राथमिकता देने की मांग करता है। उन्होंने कहा, शहमारे साथ डेमोक्रेट्स, इंडिपेंडेंट्स और रिपब्लिकन सभी हैं, क्योंकि वे सभी एक ऐसी निष्पक्ष सरकार में भरोसा करते हैं जो लोगों को मुनाफे से ऊपर रखे।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने ईस्टर पर युद्धविराम की घोषणा की, यूक्रेन से की सीजफायर लागू करने की अपील

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध में ईस्टर के मौके पर युद्धविराम की घोषणा की। क्रेमलिन की ओर से कहा गया कि यह युद्धविराम शनिवार शाम 6 बजे (मॉस्को समय) से शुरू होकर ईस्टर रविवार की मध्यरात्रि तक लागू रहेगा। राष्ट्रपति पुतिन ने यह घोषणा जनरल स्टाफ प्रमुख जनरल गेरासिमोव के साथ एक बैठक में की। पुतिन ने गेरासिमोव के साथ बैठक में कहा, मानवीय भावना को ध्यान में रखते हुए आज शाम छह बजे से लेकर ईस्टर की मध्यरात्रि तक रूसी पक्ष युद्धविराम की घोषणा करता है। इस अवधि के दौरान सभी सैन्य कार्रवाई रोकने का आदेश देता हूं। रूसी राष्ट्रपति ने यूक्रेन से भी अपील की कि वो इस युद्धविराम का सम्मान करे और जवाब में युद्धविराम लागू करे। उन्होंने कहा कि त्योहार के इस मौके पर लड़ाई को रोका जाना चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी कहा, हमारी सेनाओं को किसी भी युद्धविराम उल्लंघन, उकसावे या दुश्मन की आक्रामक कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए। बैठक में जनरल गेरासिमोव ने बताया कि यूक्रेन की सीमा से सटे दो छोटे इलाकों को छोड़ दें तो कुर्स्क क्षेत्र का पूरा हिस्सा अब हमारे नियंत्रण में है। गौरतलब है कि अगस्त 2024 में यूक्रेनी सेना ने कुर्स्क क्षेत्र में घुसपैठ कर कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया था। अब रूस का दावा है कि वहां से अधिकांश यूक्रेनी सेना को पीछे खदेड़ दिया गया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी बताया कि रूसी बलों ने कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों को एक महत्वपूर्ण इलाके से पीछे हटा दिया है।

धरती पूर्वांचल की
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अमित कुमार मिश्रा द्वारा पूर्वांचल प्रिंटिंग प्रेस, नगर पंचायत परतावल, वार्ड नं0 15 महन्थ अवेधनाथ नगर, महराजगंज से मुद्रित एवं नगर पंचायत परतावल, वार्ड नं0 15 महन्थ अवेधनाथ नगर, महराजगंज से प्रकाशित।

सम्पादक
अमित कुमार मिश्रा
मो0 नं – 9695674208

E-Mail
dhartipurvanchalki@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र महराजगंज न्यायालय ही मान्य होगा।